RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 294 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 12 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

पाक-अफगान सीमा पर जंग

काबुल पर पाक एयर स्ट्राइक के बाद अफगानी सेना ने खोला मोर्चा, 15 पाक सैनिक ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। काबुल पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के बाद अफगानी सेना ने पाक सीमा पर जोरदार जवाबी हमला किया, जिसमें कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत की खबर है। सूत्रों के अनुसार, कुनर और हेलमंद प्रांतों में अब भी भारी गोलीबारी जारी है और दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चाबंदी में लगी हुई हैं।

अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता मौलवी मोहम्मद कासिम रियाज ने बताया कि अफगान सेना ने दुरंड रेखा के कई हिस्सों में पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया है। बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए हैं। अफगान सेना का कहना है कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के हमले का जवाब है, जिसमें उसने अफगान क्षेत्र में एयर स्ट्राइक की थी।

शनिवार देर रात से अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, दीर, चित्राल और बलूचिस्तान की सीमा चौकियों पर जबरदस्त गोलीबारी हुई। अफगान सेना ने सीमा पार कर कई पाक चौकियों पर कब्जा कर लिया। चश्मदीदों के मुताबिक, दोनों देशों के सैनिकों के बीच कई घंटे तक भीषण मुठभेड़ चली।

समाचार एजेंसी ने बताया कि पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई में अफगान सेना की कई चौकियों को तबाह कर दिया है। पाकिस्तानी गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि हम ईंट का जवाब पत्थर से देंगे। अफगानिस्तान रिहायशी इलाकों पर हमला कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। इस तरह की हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायत खोवाराजम ने बयान जारी करते हुए कहा, हमारा ऑपरेशन फिलहाल समाप्त हो गया है, लेकिन यदि पाकिस्तान ने फिर से सीमा पार की तो उसे पहले से भी कड़े जवाब का सामना करना पड़ेगा।

काबुल पर एयर स्ट्राइक क्यों?

पाकिस्तान का दावा है कि अफगानिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकी छिपे हुए हैं, जो पाकिस्तान में हमलों को अंजाम दे रहे हैं। पाक सेना ने कहा कि उसने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए काबुल पर एयर स्ट्राइक की थी और जरूरत पड़ने पर भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

तनाव से बढ़ी क्षेत्रीय चिंता

विश्लेषकों का मानना है कि यह झड़पें दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए खतरा बन सकती हैं। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट और आंतरिक अस्थिरता से जूझ रहा है, जबकि अफगानिस्तान में तालिबान शासन अंतरराष्ट्रीय दबाव झेल रहा है। ऐसे में दोनों देशों के बीच यह टकराव पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है।

गाजीपुर में पत्नी की हत्या कर पेंटर ने की खुदकुशी

फतेहपुर/गाजीपुर (एजेंसी)। फतेहपुर जिले के गाजीपुर क्षेत्र में एक भयावह घटना ने पूरे इलाके को दहलाकर रख दिया। स्थानीय निवासी मुकेश निषाद ने अपनी पत्नी गुड़िया देवी की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली। घटना की जानकारी तब हुई जब दंपती की छोटी बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे।

घटना आज की भोर में हुई। बताया जा रहा है कि बच्ची के रोने की आवाज सुनकर दादी-बाबा लाखन निषाद कमरे में गए, जहाँ उन्होंने अपने बेटे और बहू को तखत पर खून से लथपथ अवस्था में पाया। मौके पर मौजूद बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

गाजीपुर थाने के एसओ हनुमान प्रताप सिंह ने बताया कि मौके से 315 बोर का तमंचा और दो खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि यह हत्या के बाद की आत्महत्या का मामला है। फोरेंसिक टीम को भी बुलाकर सभी साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, मृतक दंपती के बीच किसी प्रकार का विवाद होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना के बाद इलाके में भारी रोष और सदमा व्याप्त है।

परिवार और पड़ोसियों का कहना है कि मुकेश और गुड़िया का परिवार स्थानीय समाज में सम्मानित माना जाता था। लेकिन घर में तनाव की वजह से यह दुखद घटना सामने आई। परिजनों का कहना है कि बच्ची की सुरक्षा की दिशा में तत्काल कदम उठाए जा रहे हैं।

एसओ हनुमान प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। घर के बाहर और आसपास लगे CCTV फुटेज, गवाहों के बयान और तमंचे की फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह पर ससुर ने लगाया गंभीर आरोप

पटना (एजेंसी)। भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच चल रहे विवाद के बीच अब पवन सिंह के ससुर भी सामने आ गए हैं। उन्होंने अपने दामाद पर गंभीर आरोप लगाए और बेटी ज्योति सिंह का बचाव किया।

पिछले महीनों से मीडिया में सुर्खियों में बने पवन और ज्योति सिंह के रिश्ते पर तल्खी छाई हुई है। हाल ही में करवा चौथ के मौके पर ज्योति ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लाल जोड़े में सजकर पवन सिंह के नाम का व्रत रखा। इस वीडियो और फोटो को देखकर कई यूजर्स ने इसे 'ड्रामा' भी बताया।

ज्योति सिंह ने अपने पिता की मौजूदगी में पवन सिंह पर आरोप लगाया कि वे उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार नहीं करते। इसके चलते ज्योति चुनाव लड़ने की सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर पवन मुझे पत्नी के रूप में स्वीकार करेंगे तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी।

वहीं पवन सिंह ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ज्योति चुनाव लड़ने का दबाव बना रही थीं, लेकिन टिकट दिलवाना उनके बस की बात नहीं है। पवन सिंह को केंद्र सरकार से ङ्ग+ श्रेणी की सुरक्षा मिली है, जो उनके चुनावी माहौल और संभावित खतरों को देखते हुए दी गई है।

जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने भी स्पष्ट किया कि आरा विधानसभा सीट पर पार्टी के पहले से घोषित उम्मीदवार डॉ. विजय गुप्ता के नाम में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी किसी एक व्यक्ति के लिए नियम नहीं बदलती।

इस विवाद का असर पवन सिंह की लोकप्रियता और स्टार पावर पर पड़ सकता है, खासकर महिला वोटरों के बीच। अब सबकी निगाहें इस बात पर लगी हैं कि आने वाले दिनों में पवन-ज्योति विवाद का राजनीतिक और व्यक्तिगत रूप से क्या परिणाम निकलता है।

गाजियाबाद में चला प्राधिकरण का बुलडोजर

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के जोन-एक के गांव अटोर नंगला में अवैध रूप से 10 बीघा जमीन पर विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी पर बुलडोजर से निर्माण को ध्वस्त किया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण वीसी अतुल वत्स के निर्देश अटौर नंगला में अवैध रूप से प्लाटिंग कर विकसित की जा रही कॉलोनी में निर्माण को ध्वस्त किया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार खेती की भूमि पर इंटरलाकिंग टाइल्स लगायी गई थीं, जिन्हें बुलडोजर से उखाड़कर ध्वस्त किया गया।

इस दौरान मौजूद लोगों ने विरोध किया, लेकिन प्रवर्तन टीम के साथ मौजूद पुलिसबल ने विरोध कर रहे लोगों को मौके से खदेड़ दिया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाएगी यूपी सरकार, सीएम योगी बोले- वो अखंड भारत के शिल्पी थे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके लिए योगी सरकार तैयारी में जुट गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि अखंड भारत के शिल्पी थे। आज हमें जैसा भारत नजर आता है वो सरदार पटेल के कारण ही है।

31 अक्तूबर को उनकी जयंती पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए चर्चा की जा रही है।

नोएडा में पुलिस का फुट पेट्रोलिंग अभियान, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई

ADCP, ACP नोएडा और थाना प्रभारी सेक्टर-39 के नेतृत्व में पुलिस बल ने नोएडा जोन में सेक्टर-37, बॉटनिकल गार्डन, छलेरा सहित अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग की। पुलिस ने पैदल गश्त कर इलाके की सुरक्षा सुनिश्चित की और नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने का प्रयास किया। अधिकारीयों ने कहा कि इस अभियान का मकसद आम जनता की सुरक्षा के साथ-साथ अपराध पर निगरानी बनाए रखना है।

नोएडा में 6 दवाएं जांच में फेल, 40 सैंपल की रिपोर्ट अभी बाकी

नोएडा (चेतना मंच)। राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मौत के बाद अब अन्य दवाओं की गुणवत्ता भी चर्चा का विषय बनी हुई है। औषधि विभाग की ओर से बीते छह माह में नोएडा में 118 दवाओं के सैंपल लिए गए, जिनमें से 72 मानक के अनुरूप पाए गए, जबकि 6 दवाएं जांच में फेल हो गईं। शेष 40 सैंपलों की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। फेल पाई गई दवाओं की कंपनियों पर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

ड्रग इंस्पेक्टर जय सिंह के अनुसार, औषधि विभाग की ओर से लगातार दवाओं की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। अप्रैल से सितंबर तक जिले के विभिन्न मेडिकल स्टोरों से टैबलेट, कैप्सूल, सिरप और मरहम सहित कुल 118 दवाओं के सैंपल लिए गए थे। सभी सैंपल जांच के लिए गोरखपुर स्थित प्रयोगशाला में भेजे गए। विभाग को अब तक 78 सैंपलों की रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जिनमें 72 दवाएं मानक के अनुरूप सही पाई गईं जबकि 6 फेल हो गईं। इन मामलों में दो कंपनियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है, दो केस हेडक्वार्टर रेफर किए गए हैं और दो मामलों की जांच जारी है।

कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला सामने आने के बाद विभाग ने नोएडा के मेडिकल स्टोरों से विशेष रूप से सिरप के सैंपल एकत्र करने शुरू कर दिए हैं। 6 अक्तूबर से 11 अक्तूबर तक 25 कफ सिरप के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। पहले ये सैंपल लखनऊ भेजे जाते थे, लेकिन अब गोरखपुर लैब भेजे जा रहे हैं, जहां से रिपोर्ट आने में करीब दो माह का समय लगता है।

जिला अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित कुमार ने कहा कि बच्चों को खांसी-जुकाम या अन्य समस्या होने पर डॉक्टरों को कफ सिरप लिखते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि उसका सॉल्ट बच्चों के लिए उपयुक्त है या नहीं। वहीं, मेडिकल स्टोर पर बैठे फार्मासिस्ट यह सुनिश्चित करें कि मरीज को वही दवा दी जा रही है जो डॉक्टर ने लिखी है। किसी भी स्थिति में दवा बदलनी नहीं चाहिए।

इन दवाओं के सैंपल फेल हुए

औषधि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फेल पाई गई दवाओं में मुख्य रूप से डीआरएस कैप्सूल, ओन्डेनसेट्रॉन टैबलेट और एमोक्सीसिलिन टैबलेट शामिल हैं। डीआरएस कैप्सूल पेट की समस्या और गैस के लिए, ओन्डेनसेट्रॉन टैबलेट उल्टी के इलाज में और एमोक्सीसिलिन टैबलेट एक एंटीबायोटिक के रूप में दी जाती है।

कंपनी पर पहले भी उठे थे सवाल

वर्ष 2022 में उज्बेकिस्तान में भारतीय कफ सिरप के सेवन से 18 बच्चों की कथित मौत का मामला सामने आया था। इस मामले में नोएडा सेक्टर-67 स्थित दवा निर्माण कंपनी पर कार्रवाई की गई थी। उस समय कंपनी से दवाओं के सैंपल लिए गए थे और उसका ड्रग लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया था। ड्रग इंस्पेक्टर जय सिंह के अनुसार, यह मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है और कंपनी वर्तमान में बंद है।

नोएडा डिपो से फिर चलेंगी प्राइवेट बसें

UPSRTC 10 नए रूटों के लिए कल जारी करेगा टेंडर

नोएडा (चेतना मंच)। आठ साल बाद एक बार फिर नोएडा डिपो से अनुबंध पर प्राइवेट बसें चलाने की तैयारी की जा रही है। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम सोमवार को 10 नए रूटों पर साधारण बसों के संचालन के लिए टेंडर जारी करेगा। ये बसें मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के रूटों पर उतारी जाएंगी। इसके लिए अनुबंध प्रावधानों में संशोधन किया गया है।

वर्ष 2017 में नोएडा डिपो से अनुबंध पर निजी ऑपरेटर की दो वातानुकूलित जनरथ बसें चलाई जा रही थीं। इनमें एक बस नोएडा से प्रयागराज और दूसरी लखनऊ के लिए संचालित होती थी। कुछ समय बाद ऑपरेटर ने घाटे का हवाला देकर सेवा बंद कर दी, जिसके बाद अनुबंध समाप्त हो गया।

अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेटर दूसरे प्रदेश के परिवहन निगम के साथ करार करने की तैयारी में था, इसलिए उसने नोएडा सेवा से कदम पीछे खींच लिए।

अब बस ऑपरेटर का होगा कंडक्टर

नए अनुबंध प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब बसों में प्राइवेट ऑपरेटर का ही कंडक्टर होगा। पहले के नियमों के अनुसार बस चालक तो ऑपरेटर का होता था, लेकिन कंडक्टर को राज्य परिवहन निगम का होना जरूरी था। अधिकारियों का मानना है कि इस बदलाव से अब निजी ऑपरेटरों की भागीदारी बढ़ेगी और योजना में उनकी रुचि दिखेगी।

बीते वर्षों में UPSRTC ने कई बार अनुबंधित बस सेवा शुरू करने की कोशिश की, लेकिन निजी बस ऑपरेटरों ने प्रावधानों को लेकर असहमति जताई। यही वजह थी कि पिछले प्रयास सफल नहीं हो सके। अब प्रावधानों में संशोधन के बाद निगम को बेहतर प्रतिसाद की उम्मीद है।

नई अनुबंध योजना में संशोधन

गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि पहले मिनी बसों को ग्रामीण रूट पर चलाने की योजना थी, लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। मुख्यालय से 9 अक्टूबर को डीजल-सीएनजी बस अनुबंध योजना से संबंधित कार्यालय आदेश प्राप्त हुआ है। इसके तहत निजी बस ऑपरेटरों से टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

इन शहरों के लिए चल रही हैं बस सेवाएं

फिलहाल नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से आगरा, मथुरा, एटा, कासगंज, बदायूं, हरिद्वार, कोटद्वार, मेरठ, शिकोहाबाद, अलीगढ़, बिजनौर, नजीबाबाद, लखनऊ और बरेली सहित कई शहरों के लिए बसें संचालित हो रही हैं। इनमें अधिकांश साधारण और सीएनजी बसें शामिल हैं। वहीं वातानुकूलित सेवाओं में जनरथ, पिंक और शताब्दी बसें चलाई जा रही हैं, जबकि फिलहाल वॉल्वो बसों की सेवा उपलब्ध नहीं है।

खिचड़ी में मिर्ची

भाजपा की खिचड़ी में मिर्चें इतनी हो गईं कि अब नमक को हलाल करना मुश्किल हो रहा है। एक बड़े बयान की मधानी ने सारा परिदृश्य बिलोल के रख दिया, तो बात 2017 के बाद 2022 के चुनाव तक की हैसियत और हसरत तक पहुंच गई। हर चुनाव के नायक को सब कुछ मिल जाए, यह भी संभव नहीं और अगर उस राजनीतिक आपदा में सुजानपुर किले की दीवार न गिरी होती, तो आज की भाजपा कहीं और खड़ी होती। अब पार्टी के प्रभारी श्रीकांत शर्मा जी चाहे एकजुटता की कार्यशाला में सार्वजनिक मंचों की बयानबाजी को खारिज करें या हिदायत दें, लेकिन भाजपा के भीतरी विभाजन स्पष्ट हैं। पूर्व मंत्री रमेश धवाला की बयानबाजियों पर अगर पार्टी कारण बताओ नोटिस चस्पां करती है, तो यह कांगड़ा की बेचारगी है क्योंकि पिछली तमाम सत्ताओं के बीच डूबे तो यहीं के नेता। इसी भंवर से निकले रमेश धवाला अगर जवाब में सत्य उगल रहे हैं, तो क्या प्रदेशाध्यक्ष इस खाई से पार्टी से ठुकराए गए नेताओं को बचाकर बाहर निकालेंगे। ऐसा भी नहीं है कि जो भाजपा कर रही या करती रही, उससे कहीं उलट कांग्रेस में कोई अंतर है। जनता जानती है कि कांग्रेस में कौन पीछे धकेले गए या भाजपा के भीतर कितने ताज लड़ रहे हैं। कांग्रेस के अध्यायों में वीरभद्र सिंह बनाम आलाकमान भी होता रहा है, नतीजतन पार्टी की लोरियां उनके देहावसान के बाद बदल गईं। यह नई कांग्रेस की पड़ताल जो सत्ता के तीन सालों बाद भी अपना नया प्रदेशाध्यक्ष नहीं खोज पा रही। भाजपा में आलाकमान इतनी शक्तिशाली है कि यहां मुकाबला पार्टी और संघ परिवार के बीच समीकरणों का रहा और रहेगा। यहां बयान भी सहमत हैं और बचाव भी सहमत है। इस घर के भीतर घरवाले और मेहमान भी परेशान हैं। विद्यार्थी परिषद के बागीचे में जितने गुल खिलते रहे, उतने ही सत्ता के पुष्पहार पसंदीदा नेताओं के गले में पड़ते रहे हैं। ऐसे में जिस प्रदेश से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष लंबी पारी खेल रहा हो, वहां आक्रोश और आक्रोश का समाधान, अपनी अनुमतियों की रंगत के बिना तो नहीं ठहर सकता। भाजपा के शिखर और ताज के लिए अभी मैदान खुला है, लेकिन विडंबना यह कि हिमाचल के राजनीतिक फैसले केवल मंडी और हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों में ही होने लगे। यह दीगर है कि कांग्रेस सरकार में सबसे अहम व अधिक मंत्री शिमला संसदीय क्षेत्र से ही बनाए गए और घोषित तौर पर पार्टी अध्यक्ष का पद प्रतिभा सिंह के बाद इसी भूखंड के किसी विधायक या मंत्री को देने की सहमति बन रही है। हिमाचल में इस तरह कांगड़ा संसदीय क्षेत्र का राजनीतिक पिछड़ापन समझा जा सकता है। इसके कई कारण हैं और यह भाजपा-कांग्रेस में एक समान दिखाई दे रहे हैं। पूर्व मंत्री रमेश धवाला ने अपने जवाब में जहां जहां अंगुली उठाई है, वहां वहां भाजपा के बीच सक्रिय तंत्र की रणनीति को समझा जा सकता है। कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र का मानस बाकी तीनों से भिन्न इसलिए भी है क्योंकि यहां पृष्ठभूमि, नागरिक समाज और जातीय आधार कांटे पर है। एक समय था जब कांग्रेस इस क्षेत्र से नेताओं की अहमियत को विभिन्न वर्गों से जोड ?र इस निष्कर्ष पर पहुंची कि विभिन्न कल्याण बोर्डों का गठन व उनकी बैठकों के दौर एक परंपरा बन गई। कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कबायली यानी गद्दी समुदाय तथा ओबीसी यानी प्रमुखता से चौधरी बिरादरी के साथ जुड़ी राजनीतिक क्षमता को दरकिनार कर, यह पूरा क्षेत्र अपाहिज कर दिया गया। पिछली भाजपा की सत्ता में प्रमुख गद्दी नेता किशन कपूर और ओबीसी समाज से रमेश धवाला से हुआ सुलूक दरअसल, कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के सबसे अधिक प्रभाव की संवेदना को नष्ट कर गया। इतना ही नहीं, पालमपुर विधानसभा में भाजपा की हार का कारण भी त्रिलोक कपूर जैसे गद्दी नेता को खदेडऩा ही रहा। पालमपुर में जिस दिन गद्दी नेता स्वीकार हो गया, उस दिन भाजपा जीत पाएगी, अन्यथा शून्यता के शाप से नेताओं की मंडी यूं ही सजी रह जाएगी। हिमाचल की राजनीति का अहंकार मंडी और हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों की आन बान शान बनने के बावजूद कांगड़ा और शिमला में नहीं समझा गया, तो आइंदा सत्ता के बौने अधिकार हर चरित्र को बौना ही करेंगे। अब हिमाचल में जननायक नहीं, केंद्र की कठपुतलियां नृत्य करेंगी।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि उसके वचन सीताजी को अत्यन्त ही प्रिय लगे और दर्शन के लिए उनके नेत्र अकुला उठे। उसी प्यारी सखी को आगे करके सीताजी चलीं। पुरानी प्रीति को कोई लख नहीं पाता॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- सुमिरि सीय नारद बचन उपजी प्रीति पुनीत।
चकित बिलोकति सकल दिसि जनु सिसु मृगी सभीत॥

नारदजी के वचनों का स्मरण करके सीताजी के मन में पवित्र प्रीति उत्पन्न हुई। वे चकित होकर सब ओर इस तरह देख रही हैं, मानो डरी हुई मृगछौनी इधर-उधर देख रही हो॥

कंकन किंकिनि नूपुर धुनि सुनि। कहत लखन सन रामु हृदयँ गुनि।
मानहुँ मदन दुंदुभी दीन्ही। मनसा बिस्व बिजय कहँ कीन्ही॥

कंकण (हाथों के कड़े), करधनी और पायजेब के शब्द सुनकर श्री रामचन्द्रजी हृदय में विचार कर लक्ष्मण से कहते हैं- (यह ध्वनि ऐसी आ रही है) मानो कामदेव ने विश्व को जीतने का संकल्प करके डंके पर चोट मारी है॥

अस कहि फिरि चितए तेहि ओरा। सिय मुख ससि भए नयन चकोरा॥
भए बिलोचन चारु अचंचल। मनहुँ सकुचि निमि तजे दिगंचल॥

ऐसा कहकर श्री रामजी ने फिर कर उस ओर देखा। श्री सीताजी के मुख रूपी चन्द्रमा (को निहारने) के लिए उनके नेत्र चकोर बन गए। सुंदर नेत्र स्थिर हो गए (टकटकी लग गई)। मानो निमि (जनकजी के पूर्वज) ने (जिनका सबकी पलकों में निवास माना गया है, लड़की-दामाद के मिलन-प्रसंग को देखना उचित नहीं, इस भाव से) सकुचाकर पलकें छोड़ दीं, (पलकों में रहना छोड़ दिया, जिससे पलकों का गिरना रुक गया)॥ (क्रमशः..)

शांति दूत बनकर घूम रहे ट्रंप ने खुद ही छेड़ दिया युद्ध

दूसरे युद्धों को खत्म कराने का दावा कर रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अब एक नया आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है और यह युद्ध बंदूकों का नहीं, बल्कि टैरिफ और दुर्लभ खनिजों का है। अमेरिका और चीन के बीच यह नया टैरिफ संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वैसा ही झटका है, जैसा 2018-19 के व्यापार युद्ध के समय देखा गया था। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से चीन से आने वाले सभी सामानों पर 100% शुल्क लगाया जाएगा और 'महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर' के निर्यात पर नई पाबंदियाँ लगेंगी।

यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों (Rare Earth Elements) के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं।

यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों (Rare Earth Elements) के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं। बीजिंग दुनिया में इन खनिजों के 90% से अधिक परिशोधन (processing) पर नियंत्रण रखता है। ट्रंप ने चीन के इस कदम को "hostile order" यानी शत्रुतापूर्ण आदेश बताया और कहा कि बीजिंग 'पूरी दुनिया को बंधक बनाने' की कोशिश कर रहा है।

इस नई आर्थिक जंग की घोषणा के साथ ही वैश्विक बाजारों में हड़कंप मच गया। अमेरिका का S&P 500 इंडेक्स 2.7% गिर गया, नैस्डैक में भी तेज़ गिरावट आई, जबकि निवेशक सोने की शरण में भागे। डॉलर कमजोर पड़ा और वैश्विक निवेशकों में यह आशंका फैल गई कि वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच 'टैरिफ युद्ध' फिर से भड़क उठा है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह फैसला केवल एक आर्थिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती है। चीन ने जब दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण बढ़ाया, तो उसने न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया। इन खनिजों के बिना स्मार्टफोन, मिसाइल, सेमीकंडक्टर और बैटरी बनाना असंभव है। इसलिए चीन का यह कदम भू-अर्थशास्त्र (geo-economics) की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह अपनी प्राकृतिक संपदाओं को राजनैतिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल करता है।

ट्रंप की प्रतिक्रिया उतनी ही आक्रामक है जितनी अप्रत्याशित। यह कदम न केवल बीजिंग के लिए बल्कि अमेरिका के उद्योगों के लिए भी दोहरी चुनौती बनेगा—क्योंकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ वर्षों से एक-दूसरे में गहराई से जुड़ी हुई हैं। लेकिन ट्रंप की प्राथमिकता फिलहाल राजनीतिक लाभ और 'मेड इन अमेरिका' की घरेलू भावना को पुनर्जीवित करना है।

उधर, चीन के लिए यह विकास चिंताजनक है। चीन की अर्थव्यवस्था पहले से धीमी वृद्धि, रियल एस्टेट संकट और घटती विदेशी मांग से जूझ रही है। ऐसे में अमेरिकी बाजार पर 100 प्रतिशत टैरिफ उसके निर्यात क्षेत्र को गंभीर चोट पहुंचाएगा। चीन अब अपने प्रभाव को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के अन्य हिस्सों में बढ़ाने की कोशिश करेगा ताकि अमेरिकी दबाव को संतुलित किया जा सके। लेकिन ट्रंप के कदम का एक बड़ा असर यह होगा कि पश्चिमी कंपनियाँ चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ेंगी। Apple, Tesla और अन्य अमेरिकी कंपनियाँ पहले ही 'चाइना-प्लस-वन' रणनीति पर काम कर रही हैं। अब यह प्रवृत्ति और तेज होगी।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह परिदृश्य 'संकट में अवसर' की तरह है। यदि दुनिया चीन पर निर्भरता घटाना चाहती है, तो भारत एक स्वाभाविक विकल्प बन सकता है। अमेरिका और यूरोप दोनों ही ऐसे साझेदार की तलाश में हैं जो भरोसेमंद हो, राजनीतिक रूप से स्थिर हो, और तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो। भारत के पास इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तीन प्रमुख रास्ते हैं। पहला- भारत में भी कई दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं, परंतु उनका परिशोधन ढांचा कमजोर है। यदि सरकार इस क्षेत्र में 'राष्ट्रीय रेयर अर्थ मिशन' जैसे कार्यक्रम को गति दे, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। दूसरा- ट्रंप की नीति से अमेरिकी कंपनियाँ चीन से हटकर भारत, वियतनाम और इंडोनेशिया की ओर रुख करेंगी। भारत यदि भूमि सुधार, बिजली लागत और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार लाता है, तो यह निवेश आकर्षित कर सकता है। तीसरा- अमेरिका और जापान के साथ सेमीकंडक्टर और एआई अनुसंधान में सहयोग भारत को नई औद्योगिक शक्ति में बदल सकता है।

परंतु यह कहानी केवल अवसरों की नहीं है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध से वैश्विक मंदी की संभावना बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन दोनों भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं; किसी भी झटके से भारतीय निर्यात, आईटी सेवा और ऑटो उद्योग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, यदि चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात को भारत तक सीमित करता है, तो भारत की बैटरी, मोबाइल और रक्षा विनिर्माण योजनाएँ बाधित हो सकती हैं। इसलिए भारत को केवल अवसर नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन रणनीति भी तैयार करनी होगी।

देखा जाये तो अमेरिका-चीन टकराव वैश्विक शक्ति-संतुलन को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। यह अब केवल व्यापार की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी, संसाधन और प्रभाव क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा बन चुका है। आने वाले वर्षों में यह संघर्ष तय करेगा कि दुनिया का औद्योगिक केंद्र एशिया में कहाँ स्थिर होगा— चीन में या उसके बाहर। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस नए वैश्विक भूगोल में 'सप्लाई चेन रेजिलियंस' का नेतृत्व करे। इसके लिए उसे खनिज नीति, औद्योगिक निवेश और तकनीकी अनुसंधान में साहसिक कदम उठाने होंगे।

कुल मिलाकर देखें तो ट्रंप का यह 'टैरिफ बम' वैश्विक व्यापार में अस्थिरता का विस्फोट है। लेकिन इसके भीतर भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर छिपा है। यदि भारत इस चुनौती को दूरदृष्टि और नीति-संवेदनशीलता के साथ संभाले, तो वह न केवल इस तूफान से सुरक्षित निकल सकता है बल्कि इस नए वैश्विक आर्थिक युग में आत्मनिर्भर और निर्णायक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

बहरहाल, ट्रंप ने भले ही दूसरे युद्धों को खत्म करने का दावा किया हो, परंतु उनका यह नया आर्थिक युद्ध आने वाले दशक का सबसे बड़ा वैश्विक शक्ति परीक्षण साबित हो सकता है— जिसमें भारत का प्रदर्शन यह तय करेगा कि वह केवल दर्शक रहेगा या इस नये आर्थिक युद्ध का विजेता।

- नीरज कुमार दुबे

हमारी करोड़ों रूपए की सफाई मशीन (व्यंग्य)

पिछले दिनों उन्होंने दो स्वीपिंग मशीनों का परिचय मीडिया से करवाया, आइए देखिए हमारी कर्मठ सरकार द्वारा खरीदी, करोड़ों रूपए की स्वीपिंग मशीन। 'स्वीपिंग' की जगह हिंदी में 'सफाई' कहें तो महत्व कम सा होने लगता है। अंग्रेजी में स्वीपिंग कहो तो अच्छा और ऊंचा लगता है। मंत्री की जगह मंत्रीजी कहो तो शान में बढ़ोतरी दिखती है। मंत्रीजी ने समझाया, राजधानी के लिए दो स्वीपिंग मशीनें, साढ़े छ करोड़ रूपए में जर्मनी से खरीदी गई हैं। अगर जर्मनी की जगह जर्मनीजी कह देते तो जर्मनी की इज्जत बढ़ जाती। फिलहाल मशीनों का फार्मल स्वागत किया गया, धूमधाम वाला न्यू नार्मल, नारियल फोड़ू स्वागत बाद में होगा ही।

मंत्रीजी बोले, अब हमारी सरकार है, हम जैसे मर्जी सफाई करवाएं। इन विपक्ष वालों को क्या पता कि कैसे, कुछ करना चाहिए। स्वच्छ वायु कार्यक्रम चलते हमारा भी तो कर्तव्य बनता है। गांव की वायु तो स्वच्छ ही होती है। हमारे विकसित शहर हमारा सम्मान हैं। यहां सफाई और स्वच्छता ज्यादा जरूरी है इसलिए हमने बढ़िया मशीनें विदेश से मंगाई हैं। हमारी मंगवाई करोड़ों की मशीनें, एक ही दिन में कई किलोमीटर सड़क की सफाई कर देंगी। वीआईपी मूवमेंट के दौरान कमाल की सफाई होगी, हाथ से... मतलब मैन्युअली सफाई... साफ सुथरी नहीं हो पाती।

मंत्री होने के बावजूद उन्हें पता है कि सफाई कर्मचारियों को दस्ताने, बूट, वर्दी वगैरा बेहतर क्वालिटी के नहीं मिल पाते क्यूंकि सप्लाई ही घटिया होते हैं। इस मामले में किस किस की खिंचाई करें। उन्होंने मीडिया, सोशल मीडिया और एंटी सोशल मीडिया वालों को बताया, हमारी मशीनें शहर की मुख्य स ?कों की सफाई करेंगी। यह लुभावनी मशीन, सड़कों पर जमा कचरे, धूल मिटटी को साफ करेगी। यह गर्व की बात है कि हम अपने स्मार्ट शहर की खास सड़कों की सफाई विदेशी मशीनों से करवाने जा रहे हैं। ऐसा होना विश्गुरुओं की धरती पर ही संभव है।

इतनी सुन्दर, सुघड़, सुपर मशीन को हर किसी सड़क पर तो लेकर भी नहीं जा सकते। क्या इज्जत रह जाएगी मशीन की, सरकार की, मशीन बनाने और बेचने वाले की। जल्द ही इनका ट्रायल किया जाएगा फिर लाखों रुपए खर्च कर रजिस्ट्रेशन करवाएंगे। ड्राइवर सफेद वर्दी पहनकर जब इसे चलाएगा तो, शानदार मशीन, शान से सफाई कर, हमारी सरकार की शान में इजाफा करेगी। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में शहर की रैंकिंग बढ़ जाएगी। हमें पुरस्कार मिलने की आशंका ...अ.. माफ करें, संभावना बलवती हो जाएगी।

उन्होंने मन ही मन कहा, गांव में ऐसी मशीन का क्या करेंगे। वहां साफ सफाई की ज्यादा जरूरत भी नहीं है। वहां के निवासियों को साफ सुथरा रहने की आदत पड़ गई तो जागरूकता फैलने लगेगी और प्रशासन के लिए परेशानी हो जाएगी। वैसे भी महंगी सुविधाओं पर विकसित लोगों का हक होता है। इतनी महंगी मशीनें सफाई करें और उस पर आम जूते पहनकर लेकर चलें यह व्याकरण... माफ करें समीकरण नहीं जंचेगा।

विपक्ष के राजनेताओं ने उनसे सवाल किया कि जिस शहर में आप सवा तीन करोड़ की एक सफाई मशीन ला रहे हो, उस शहर में आम जनता के लिए सामान्य साफ सुथरी जन सुविधाएं यानी पेशाब घर और शौचालय नहीं है। दूसरा सवाल रहा, आप सफाई कर्मचारियों को सुविधाएं क्यूं नहीं देते। उन्हें गटर में मरने देते हैं इस पर मंत्रीजी का जवाब रहा, हर सरकार के शासन में ऐसा होता

विपक्ष के राजनेताओं ने उनसे सवाल किया कि जिस शहर में आप सवा तीन करोड़ की एक सफाई मशीन ला रहे हो, उस शहर में आम जनता के लिए सामान्य सा ? सुथरी जन सुविधाएं यानी पेशाब घर और शौचालय नहीं है।

रहता है। आपकी सरकार भी बिलकुल ऐसा करती थी, अब हमारी कर रही है तो आपको तकलीफ हो रही है। आप विपक्ष वाले स्वदेशी का राग अलाप रहे हो, वो तो आप तब भी गाते थे जब आपका शासन था। आप इस शब्द पर राजनीति कर रहे हो।

उन्होंने लगभग चीखकर कहा, हम ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को यह लाजवाब सफाई मशीनें दिखाकर कहेंगे, आप कितने सौभाग्यशाली हैं, देखिए आपकी मातृभूमि की सड़कों की सफाई कितनी महंगी विदेशी मशीनों से करवाई जा रही है। कुछ भी कह लो जी, करोड़ों रूपए की सफाई मशीन देखने लायक होती है। डर लगता है साफ सुथरा हाथ लगने से कहीं गंदी न हो जाए।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, षष्टी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शुभ समय, अच्छा समय, भाग्यकारी समय। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक दिन और है। कुछ घंटे की बात है। थोड़ा सा समय खराब है। प्रेम संतान का साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावुकता पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय थोड़ा रोक दें क्योंकि भावुकता में लिया गया निर्णय नुकसान करेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभाव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अगर कुछ भी अपने व्यापारिक रूप में डिजाइन किया है, उसको कार्य रूप दें। शुभ समय है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
अपनों में वृद्धि होगी। धन में वृद्धि होगी। बस जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुराने स्त्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय होगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ है।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने 2026 में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली, एजेंसी। रचनात्मक शिक्षा के लिए समर्पित भारत की पहली युनिवर्सिटी– वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने अकादमिक वर्ष 2026 के लिए अपने स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आवेदन खोलने की घोषणा की है। उच्च शिक्षा में अग्रणी डब्लूयूडी आर्किटेक्चर, डिजाइन, फैशन, कम्युनिकेशन डिजाइन, विजुअल आर्ट्स, परफॉर्मिंग आर्ट्स और मैनेजमेंट में विशेष कार्यक्रमों के बेजोड़ स्पेक्ट्रम की पेशकश करती है। 15 से अधिक क्षेत्रों के साथ यह युनिवर्सिटी विद्यार्थियों को वैश्विक मानकों पर और उद्योग के संदर्भ में अपने जुनून को प्रभावी करियर में तब्दील करने का अवसर प्रदान करती है। आवेदन की प्रक्रिया आसान है और ऑनलाइन फॉर्म निर्बाध रूप से इस युनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रवेश 4 जनवरी, 2026 को प्रस्तावित डब्लूयूडी डिजाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (डब्लूयूडीएटी 2026) के माध्यम से होगा जिसे पूरी तरह से ऑनलाइन आयोजित किया जाता है। तीन घंटे की यह परीक्षा अपने घर में आराम से बैठकर दी जा सकती है जिसमें उम्मीदवार के रचनात्मक कौशल का आंकलन किया जाता है।

सानंद वर्मा ने बताया अपनी कामयाबी का मंत्र

मुंबई, एजेंसी। आज के तेज रफ्तार जमाने में, जहाँ ज्यादातर लोग अपने फोन में खोए रहते हैं और लाइक्स, फॉलाअर्स और तात्कालिक मान्यता के पीछे भागते हैं, वहीं सानंद वर्मा अपने अलग अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं। एण्डटीवी के शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अपने अनोखे किरदार डॉ. अनोखेलाल सक्सेना के लिए लोगों द्वारा बेहद पसंद किए जाने वाले सानंद वर्मा ने अपना रास्ता खुद चुना है। यह सादगी, रचनात्मकता और मानसिक शांति पर आधारित है। उनकी यात्रा याद दिलाती है कि असली सफलता डिजिटल शोर में नहीं, बल्कि सार्थक काम और व्यक्तिगत विकास में है। सानंद वर्मा ऊर्फ अनोखेलाल सक्सेना कहते हैं, मेरा तरीका बहुत अलग है। मैं सोशल मीडिया पर स्क्रॉलिंग में समय नहीं बिताता। सच कहूँ तो, मुझे दूसरों के वीडियो देखने में दिलचस्पी नहीं है। मैं वही करता हूँ जो मुझे पसंद है –गाना, अभिनय और अपने वीडियो बनाना। मेरे लिए कला सिर्फ प्रोफेशन नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है, खुद से और दूसरों से गहराई से जुड़ने का तरीका है। मैंने हमेशा सजग और रचनात्मक रहने का चुनाव किया। जितना हो सके सकारात्मक काम करें। स्वास्थ्य, योग, ध्यान, व्यायाम, खेलों पर ध्यान दें। किताबें पढ़ें, अपनी कला का अभ्यास करें, अपने शौक को फॉलो करें। सोशल मीडिया और न्यूज पर समय सीमित रखें–एक दिन में 15 से 20 मिनट काफी है। इसके बाद अपना ध्यान अपने काम और विकास पर लगाएँ।

टांग टूटने के बावजूद एक्टर सायंतनी घोष ने जारी रखी अपने आगामी शो 'जगद्धात्री' की शूटिंग!

मुंबई, एजेंसी। जी टीवी का नया फिक्शन ड्रामा 'जगद्धात्री' उन महिलाओं की कहानी दिखाता है जो हर दिन चुपचाप लगातार मुश्किलों का सामना करती हैं। यह शो एक युवा लड़की की कहानी बताता है, जिसकी अपने ही घर में अक्सर अनदेखी होती है, लेकिन वो एक निडर अंडरकवर एजेंट के रूप में अपराध से लड़ती है और अपनी पहचान वापस पाने के लिए कभी नहीं रुकती। जहां सोनाक्षी बत्रा 'जगद्धात्री' की मुख्य भूमिका में हैं, वहीं फरमान हैदर शिवाय के रोल में हैं और सायंतनी घोष माया के किरदार में हैं। माया एक मजबूत और प्रभावशाली मीडिया व्यवसायी है, जो कड़े अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने काम और दुनिया पर राज करती है। माया बाहर से बहुत ताकतवर दिखती है, लेकिन अंदर ही अंदर अपने निजी संघर्षों को संभालती रहती है।

28000 करोड़ का व्यापार, हल्के गहनों की मांग

करवा चौथ पर खरीदारों से गुलजार रहे देशभर के बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी।
धूमधाम से मनाए जाने वाले करवा चौथ पर देशभर के बाजार और मॉल शुक्रवार को भी खरीदारों से गुलजार रहे। लोगों और खासकर महिलाओं ने दो दिनों में कपड़ों, मिठाइयों, गिफ्ट आइटम, सजावटी और पूजा के सामानों की जमकर खरीदारी की। इससे करवा चौथ पर होने वाले कारोबार में पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, सोने के आभूषणों की खरीद-बिक्री पर कीमतों में रिकॉर्ड तेजी का असर भी देखने को मिला। इस बार हल्के आभूषणों की मांग ज्यादा रही। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, इस बार का करवा चौथ लोगों और कारोबारियों के लिए कई मायनों में खास रहा। आयकर छूट और कम ब्याज दरों के साथ जीएसटी दरों में कटौती के कारण उत्पादों के दाम घटने से लोगों ने जमकर खरीदारी की। इससे देशभर में करीब 28,000 करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री हुई, जो पिछले करवा चौथ पर हुए 22,000 करोड़ के कारोबार से 27.27 फीसदी अधिक है। 2023 में कुल 15,000 करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री हुई थी। ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलर्स के चेयरमैन संयम मेहरा ने बताया कि रिकॉर्ड कीमतों के बावजूद देशभर के सराफा बाजारों में अच्छी चहल-पहल रही।पूछताछ करने वाले लोगों में कइयों ने इस डर से सोने की खरीदारी, ताकि आगे कीमत और न बढ़ जाए। मेहरा ने बताया, सोने और चांदी के आभूषणों की अच्छी खरीदारी हुई।

8000 करोड़ का कारोबार दिल्ली में

कैट के मुताबिक, दिल्ली में करवा चौथ पर 8,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। चांदनी चौक, सदर बाजार, सरोजिनी नगर, लाजपत नगर, करोल बाग, कनॉट प्लेस और खान मार्केट समेत प्रमुख बाजार पिछले दो दिनों से खरीदारों से गुलजार रहे।

लाखों छोटे व्यापारियों और कारीगरों को मिला काम

खंडेलवाल ने बताया, इस बार करवा चौथ से पहले जीएसटी दरों में कटौती ने उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राहत दी है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी बेचने एवं खरीदने की अपील से पारंपरिक उत्पादों की बिक्री में उछाल देखने को मिला। आर्टिस्टों को काम मिलने के साथ लाखों छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय दुकानदारों को दो दिनों में भरपूर व्यापार मिला।

लाखों छोटे व्यापारियों और कारीगरों को मिला काम

जीएसटी दरों में कटौती ने उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राहत दी है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी बेचने एवं खरीदने की अपील से पारंपरिक उत्पादों की बिक्री में उछाल देखने को मिला। इससे कारीगरों और आर्टिस्टों को काम मिलने के साथ लाखों छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय दुकानदारों को दो दिनों में भरपूर व्यापार मिला। पारंपरिक सामान जैसे साड़ी, लहंगे, पूजा की थाली, छलनी, मिट्टी के करवे, मिठाइयां, गिफ्ट आइटम्स, जूलरी और कॉस्मेटिक्स की बिक्री में भारी तेजी देखने को मिली। इसके साथ ही, ब्यूटी पार्लर, मेहंदी आर्टिस्ट और सैलून में भी दिनभर लंबी कतारें लगी रहीं। इससे देशभर में छोटे कारीगरों और आर्टिस्टों को बड़ा रोजगार मिला है वहीं देश भर में बड़ी संख्या में सामूहिक रूप से भी करवा चौथ पूजन के आयोजन किए गए।

सैनडिस्क ने भारत में डब्ल्यूडी ब्लू एसएन5100 एनवीएमई एसएसडी का लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। सैनडिस्क ने भारत में डब्ल्यूडी ब्लू एसएन5100 एनवीएमई एसएसडी पेश की है। क्रिएटर्स और प्रोफेशनल्स के लिए बनाई गई यह एसएसडी परफॉर्मेंस के मामले में नए मानक स्थापित करती है। इसे एआई वर्कफ्लो में तेजी लाने, भारी प्रोडक्टिविटी टास्क संभालने और 4के एवं 8के वीडियो एडिटिंग को स्ट्रीमलाईन करने के लिए बनाया गया है। यह पिछली जनरेशन के मुकाबले 30 प्रतिशत तक बेहतर परफॉर्मेंस प्रदान करती है। इसमें सैनडिस्क बीआईसीएस8 क्यूएलसी 3डी सीबीए एनएएनडी के साथ सैनडिस्क एनकैश 4.0 टेक्नोलॉजी दी गई है। डब्ल्यूडी ब्लू एसएन5100 एनवीएमई एसएसडी 7,100 एमबी/एस (1टीबी–2 टीबी मॉडल) तक की रीड स्पीड प्रदान करती है। यह 500जीबी से 4 टीबी तक की स्टोरेज क्षमता में उपलब्ध है। यह एसएसडी लार्ज–फाईल ट्रांसफर ज्यादा तेजी से करती है, हैवी एप्लीकेशंस के लिए बेहतर रिस्पॉन्सिवनेस प्रदान करती है, और आज के गहन डेटा आधारित वर्कलोड के लिए भरोसेमंद परफॉर्मेंस सुनिश्चित करती है। डब्ल्यूडी ब्लू एसएन5100 एनवीएमई के मुख्य फीचर्स हैं: 7,100 एमबी/एस (1टीबी–2 टीबी मॉडल) तक की रीड स्पीड के साथ पीसीआईई जेन4.0 परफॉर्मेंस, जो पिछली जनरेशन के मुकाबले 30 : तक ज्यादा तेज गति प्रदान करती है। सैनडिस्क एनकैश 4.0 टेक्नोलॉजी के साथ लार्ज फाइल्स या प्रोजेक्ट फोल्डर्स को बहुत तेजी से कॉपी करती है। उच्च घनत्व और क्षमता के लिए सैनडिस्क बीआईसीएस8 क्यूएलसी 3डी सीबीए एनएएनडी टेक्नोलॉजी।

भारतीयों के पास 34,600 टन सोना

3785 अरब डॉलर है इसका मूल्य; जीडीपी के 89 फीसदी के बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के पास जून तक कुल मिलाकर 34,600 टन सोना था। इसका मूल्य वर्तमान भाव 4056 डॉलर प्रति औंस पर लगभग 3,785 अरब डॉलर है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार, यह सोना देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 88.8 प्रतिशत है। वर्तमान बाजार मूल्य पर यह भारतीय परिवारों के पास मौजूद इक्विटी स्टॉक होल्डिंग का लगभग 3.1 गुना है, जिसका मूल्य 1,185 अरब डॉलर है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत दुनिया में सोने के सबसे बड़े बाजारों में से एक है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव, निवेश की मांग और आर्थिक कारकों से प्रेरित है। मूल्य के भंडार, महंगाई से बचाव और एक सुरक्षित संपत्ति के रूप में इसके महत्व ने इसे भारतीय परिवारों के लिए एक अमूल्य संपत्ति बना दिया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार, जून 2025 तक चार तिमाहियों के आधार पर भारत की वैश्विक सोने की मांग में लगभग 26 फीसदी हिस्सा था। 5 वर्षों का औसत 23 फीसदी था। लगभग 28 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत में सोने की मांग में आभूषणों की हिस्सेदारी दो-तिहाई है।

840 टन तक सालाना है सोने की खपत

वॉल्यूम के लिहाज से भारत की वार्षिक सोने की खपत 2021 से 750 और 840 टन के बीच सीमित रही। यह जून, 2011 को समाप्त तिमाही में 1,145 टन के उच्च स्तर से काफी कम है। मॉर्गन स्टेनली के नोट में कहा गया है कि हालांकि, घरेलू सोने की कीमतों में तेज उछाल के कारण मूल्य के लिहाज से सोने की खपत जून, 2025 को समाप्त तिमाही में चार तिमाहियों के आधार पर 68 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। जून, 2023 को समाप्त तिमाही में यह 44 अरब डॉलर थी।

सैमसंग ने दिवाली पर पेश किए खास ऑफर्स

बीस्पोक एआई होम एप्लायंसेज और विजन एआई टीवी पर शानदार छूट

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने दिवाली के मौके पर बीस्पोक एआई डिजिटल एप्लायंसेज और विजन एआई टीवी पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। ये ऑफर्स 31 अक्टूबर 2025 तक मान्य हैं और उपभोक्ताओं को इस दिवाली स्मार्ट, एनर्जी-एफिशिएंट और शानदार टेक्नोलॉजी अपनाने का अवसर देते हैं। पूरे देश में परिवारों के त्योहार मनाने के दौरान, सैमसंग अपने एआई-पावर्ड स्मार्ट उपकरण और टीवी को हर घर तक आसानी से पहुँचाने का मौका दे रहा है। इस फेस्टिव अभियान के जरिए सैमसंग ने हर घर में एआई से चलने वाले उपकरण, शानदार मनोरंजन और बिजली की बचत करने वाली कूलिंग लाकर इंटेलिजेंट लिविंग की अपनी प्रतिबद्धता को दिखाया है।

स्मार्ट कनेक्टेड होम अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए, उपभोक्ता चुनिंदा बीस्पोक एआई उपकरणों पर 50,000 रूपये तक कैशबैक और कई मॉडल्स पर 47 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। ये ऑफर्स फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव और एयर कंडीशनर्स पर उपलब्ध हैं। सैमसंग उपभोक्ताओं को आसान फाइनेंस विकल्प भी दे रहा है, जिसमें जीरो डाउन पेमेंट शामिल है। साथ ही, चुनिंदा फ्रिज और वॉशिंग मशीन पर 1 ईएमआई ऑफ का विशेष लाभ भी मिलेगा। 20/5 फाइनेंस स्कीम के तहत सैमसंग पहले ईएमआई का भुगतान करता है, जबकि ग्राहक खरीद के समय अगले 5 महीनों की एडवांस ईएमआई चुकाते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने इस कंपनी को दिया बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को भारतीय रक्षा मंत्रालय से 37 करोड़ का ऑर्डर मिला है। इसके तहत कंपनी को हार्ड किल कैपिसिटी वाले एंटी–ड्रोन सिस्टम की आपूर्ति करनी होगी। यह ऑर्डर पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और इसे एक साल के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इस खबर के बीच कंपनी के शेयर करीब एक पर्सेंट बढ़ गए। हालांकि, लॉन्ग टर्म में शेयर ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। जेन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने ऑर्डर के बारे में जानकारी देते हुए कहा– कंपनी को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय से लगभग 37 करोड़ का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर हार्ड किल क्षमता वाले एंटी–ड्रोन सिस्टम की आपूर्ति से संबंधित है, जो एक वर्ष के भीतर निष्पादित किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक, यह सिस्टम दुश्मन के ड्रोन और हवाई खतरों की पहचान, ट्रैकिंग और उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता रखता है। कंपनी ने कहा कि यह पूरी तरह स्वतंत्र व्यावसायिक अनुबंध है। वहीं, ऑर्डर में किसी भी तरह का संबंधित पार्टी लेनदेन शामिल नहीं है और इसके प्रमोटर्स या प्रमोटर ग्रुप का ऑर्डर देने वाली इकाई से कोई व्यावसायिक संबंध नहीं है। हालांकि, इस पॉजिटिव खबर के बावजूद कंपनी के शेयरों की कीमतों पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ा। 0.32 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 1,419.90 पर बंद हुआ।

कोक्स एंड किंग्स ने भोपाल में दो नए आउटलेट्स के साथ अपनी मौजूदगी को किया और मजबूत

भोपाल। दुनिया की पहली ट्रैवल कंपनी कोक्स एंड किंग्स ने मध्य भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए भोपाल में दो नए फ्रैंचाइज़ आउटलेट्स की शुरुआत की है। पहला आउटलेट शॉप नं. 10, फर्स्ट फ्लोर, हरे कृष्णा कॉम्प्लेक्स, 10 नं. मार्केट, छप्पन भोग के ऊपर, ई-4 एरीना कॉलोनी, भोपाल - 462016 पर स्थित है। दूसरा आउटलेट शॉप नं. 13, सेकंड फ्लोर, मेपल हाई स्ट्रीट, अशिमा मॉल के सामने, होशंगाबाद रोड, भोपाल - 462026 पर खुला है भोपाल, जो शिक्षा, व्यापार और संस्कृति का प्रमुख केंद्र है, अब तेजी से एक उभरते हुए ट्रैवल मार्केट के रूप में भी पहचान बना रहा है। यहां लोगों में देशी और अंतरराष्ट्रीय यात्राओं को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इस बढ़ती मांग को देखते हुए कोक्स एंड किंग्स ने शहर के दो अलग-अलग हिस्सों में आउटलेट शुरू किए हैं, ताकि यात्रियों को अपने नजदीकी इलाके में ही सभी ट्रैवल सेवाएं आसानी से मिल सकें। एरीना कॉलोनी का आउटलेट शहर के मध्य और पूर्वी इलाकों की जरूरतों को पूरा करेगा, जबकि मेपल हाई स्ट्रीट वाला आउटलेट पश्चिमी और प्रीमियम आवासीय इलाकों के ग्राहकों के लिए सेवाएं उपलब्ध कराएगा। कंपनी के डायरेक्टर करण अग्रवाल ने कहा, भोपाल एक तेजी से विकसित होता शहर है, जहां लोगों में अब ट्रैवल को लेकर नई सोच और जिज्ञासा दिख रही है। हमारे दोनों आउटलेट्स का उद्देश्य है कि भोपाल के हर हिस्से में रहने वाले ग्राहकों को स्पीलाइज्ड सलाह, बेहतर सेवा और भरोसेमंद ट्रैवल सॉल्यूशन्स एक ही जगह पर मिल सकें। दोनों फ्रैंचाइज़ में ग्राहकों को ग्रुप टूर, फिक्स्ड डिपार्चर पैकेज, कस्टमाइज़्ड इंटरनेशनल हॉलीडेज़, साथ ही फ्लाइट, होटल, वीज़ा और इंश्योरेंस बुकिंग जैसी सभी सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह लॉन्च कोक्स एंड किंग्स की उस राष्ट्रीय विस्तार योजना का हिस्सा है जिसके तहत कंपनी आने वाले कुछ वर्षों में देशभर में 200 नए फ्रैंचाइज़ आउटलेट्स खोलने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि उसकी विश्वस्तरीय सेवाएं अब बड़े शहरों के साथ-साथ टियर-2 और उभरते शहरी केंद्रों तक भी पहुंच सकें।

फेडन फार्मास्युटिकल्स ने वागर. एआई का अधिग्रहण किया

मुंबई। फेडन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड भारत की अग्रणी फार्मास्युटिकल फॉर्मुलेशन निर्माण कंपनियों में से एक है। कंपनी ने जनरल मेडिसिन, कॉस्मेस्युटिकल्स, न्यूट्रास्युटिकल्स, मोबिलिटी और पशु स्वास्थ्य उत्पादों में विविधता लाई है। आज कंपनी ने वागर के सभी एसेट्स के रणनीतिक अधिग्रहण की घोषणा की है। वागर एक अग्रणी पेट टेक प्लेटफॉर्म है, और इस अधिग्रहण के साथ भारत के पहले वास्तव में निष्पक्ष ऑनलाइन मार्केटप्लेस की शुरुआत हुई है जो पालतू जानवरों से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के लिए समर्पित है।

यह रणनीतिक कदम एफपीएल को भारत के तेजी से बढ़ते पालतू देखभाल उद्योग में सबसे आगे स्थापित करता है, जिसकी अनुमानित बाजार मूल्य 2030 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इस अधिग्रहण में वागर का संपूर्ण तकनीकी प्लेटफ़ॉर्म, 1,40,000 से अधिक पालतू पशु पालकों का यूज़र बेस, पेटेंटेड पालतू फिटनेस ट्रैकिंग तकनीक और स्थापित पशु चिकित्सा नेटवर्क शामिल हैं – जिससे एक ऐसा अभूतपूर्व इकोसिस्टम तैयार होगा जो भारतीय पालतू देखभाल बाजार में मौजूद महत्वपूर्ण कमियों को दूर करेगा। एफपीएल वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वागर मार्केटप्लेस और सेवाओं को दोबारा लॉन्च करेगा।

कोका-कोला इंडिया ने आईसीसी वुमंस क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए

थम्स अप एक्सफोर्स और बॉडीआर्मर लाइट ओआरएस के साथ दिखाया जोशीला अंदाज

मुंबई, एजेंसी।
कोका-कोला इंडिया और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) मिलकर आईसीसी वुमंस क्रिकेट विश्व कप 2025 को बहुत ही रोमांचक बनाने के लिए तैयार हैं। यह साझेदारी उनकी 8 साल पुरानी दोस्ती पर टिकी है, जो महिलाओं के खेल को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाती है। थम्स अप एक्सफोर्स के आधिकारिक बेवरेज पार्टनर और बॉडीआर्मर लाइट ओआरएस के हाइड्रेशन पार्टनर के रूप में, कोका-कोला इंडिया आईसीसी वुमंस क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान खिलाड़ियों और प्रशंसकों को तरोताजा रखेगा। अपनी मजबूत खेल विरासत के साथ, कोका-कोला इंडिया गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापट्टनम और नवी मुंबई में टूर्नामेंट की मेजबानी का जश्न मनाएगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि हर मैच में उत्साह, जोश और एकजुटता का माहौल हो। कोका-कोला इंडिया सबके लिए अपने सभी ड्रिंक की पेशकश करेगा। थम्स अप उठा, इंडिया इंडिया मचा, पलटदे, तानेपलटदे , और उठा

थम्स अप, जगा तूफान जैसे कैंपेन के माध्यम से थम्स अप ने आईसीसी टूर्नामेंट्स, ओलंपिक और पैरालंपिक में एथलीटों को सशक्त बनाने की अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हमेशा खेल की भावना का उत्सव मनाया है। अब, अपने नए नो-शुगर पेय, थम्स अप एक्सफोर्स के साथ, ब्रांड उसी साहसी रवैये को आगे ले जा रहा है। इसके साथ ही, कोका-कोला का स्पोर्ट्स ड्रिंक बॉडीआर्मर लाइट ओआरएस, आईसीसी वुमंस क्रिकेट विश्व कप 2025 में एथलीटों और प्रशंसकों के लिए उन्नत हाइड्रेशन प्रदान करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। संदीप बाजोरिया, वाइस प्रेसिडेंट, कोका-कोला इंडिया, ने कहा, कोका-कोला इंडिया अपने देशव्यापी नेटवर्क के जरिए हर उस जगह ताजगी पहुंचाने में सक्षम है, जहां क्रिकेट का जश्न मनाया जाता है। आईसीसी वुमंस क्रिकेट विश्व कप 2025 हमारे लिए प्रशंसकों से जुड़ने और अपने पार्टनर्स एवं रिटेलर्स के लिए फायदा पैदा करने का शानदार मौका है। हम अपने पेय पदार्थों को लाखों प्रशंसकों और खिलाड़ियों तक पहुंचाकर न सिर्फ खेल को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि क्रिकेट को पूरे देश के लिए एक साझा और खास अनुभव भी बना रहे हैं। भारत में महिला खेल एक नए दौर में हैं, जो नए लोगों को आकर्षित कर रहे हैं और अगली पीढ़ी के लिए क्रिकेट के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। कोका-कोला इंडिया में हमारा लक्ष्य इन बदलावों का हिस्सा बनना और लोगों के साथ गहरा रिश्ता जोड़ने वाले अनुभव बनाना है। थम्स अप एक्सफोर्स अपनी मजबूत पहचान और विरासत के साथ, और बॉडीआर्मर लाइट ओआरएस आधुनिक हाइड्रेशन के साथ, दोनों मिलकर प्रशंसकों को सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि खेल, संस्कृति और ब्रांड को एकजुट करने वाले बड़े आंदोलन का हिस्सा बनाते हैं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार–पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी–85 सेक्टर–6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए–131 सेक्टर–83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक–रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

आईपीएल ऑक्शन 13 से 15 दिसंबर के बीच मुमकिन

भारत में ही होगी नीलामी, खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 15 नवंबर

नईदिल्ली (एजेंसी)। अगला आईपीएल ऑक्शन 13 से 15 दिसंबर के बीच भारत के ही किसी शहर में हो सकता है। इस बार मिनी ऑक्शन होना है। पिछले दो साल नीलामी दुबई और जेद्दा में हुई थी।
क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट जारी करने की आखिरी तारीख 15 नवंबर तय की गई है। रिटेंशन लिस्ट में फ्रेंचाइजी को यह बताना होता है कि अपने स्क्वॉड में से किन खिलाड़ियों को वह रोक रही है और किनको ऑक्शन के लिए रिलीज कर रही है। बीसीसीआई ने इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एक टीम अधिकतम 6 खिलाड़ी रिटेन कर सकती कोई भी आईपीएल फेंचाइजी अधिकतम 6 खिलाड़ियों को ही रिटेन कर सकती है। बाकी खिलाड़ियों को ऑक्शन के लिए रिलीज करना होता है। 6 रिटेन खिलाड़ियों में से 5 से ज्यादा इंटरनेशनल प्लेयर और 2 से ज्यादा अनकैप्ड प्लेयर नहीं हो सकते हैं।

हर टीम 120 करोड़ रुपए खर्च कर सकती है – आईपीएल ऑक्शन में हर टीम के पास 120 करोड़ रुपए का पर्स होता है। हालांकि, पर्स में रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के हिसाब से कटौती होती है। अगर कोई टीम 1 इंटरनेशनल खिलाड़ी को रिटेन करती है तो पर्स में से 18 करोड़ रुपए कट जाते हैं। दूसरा खिलाड़ी रिटेन करने पर 14 करोड़ रुपए और कम हो जाते हैं। इसी तरह तीसरे रिटेंशन के एवज में 11 करोड़, चौथे के लिए 18 करोड़ और पांचवें के लिए 14 करोड़ रुपए की कटौती होती है। अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने पर 4 करोड़ रुपए पर्स से कम हो जाते हैं।

जौहरकप 2025

रोमांचक मुकाबले में भारत की जीत, ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराया

मलेशिया (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान ऑफ जोहर कप 2025 अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रेट ब्रिटेन को 3-2 से हराया। यह मुकाबला शनिवार को तमन दया हॉकी स्टेडियम में खेला गया। भारत की ओर से कप्तान रोहित (45+, 52) और रवनीत सिंह (23) ने गोल किए, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के लिए माइकल रॉयडन (26) और काडेन ड्रेसी (46) ने गोल दागे। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक हॉकी खेली, लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत को 13वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे ब्रिटिश डिफेंस ने रोक दिया। 22वें मिनट में मनमीत सिंह का शॉट गोललाइन पर क्लियर कर दिया गया, लेकिन अगले ही मिनट रवनीत सिंह ने शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिलाई। 26वें मिनट में माइकल रॉयडन ने ग्रेट ब्रिटेन के लिए बराबरी का गोल दागा। हाफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमें मौके तलाशती रहीं। 45वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर कप्तान रोहित ने सटीक ड्रैगफ्लिक के जरिए गोल दागते हुए बढ़त दिलाई। हालांकि, 46वें मिनट में ब्रिटेन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे काडेन ड्रेसी ने भुनाया और स्कोर 2-2 कर दिया।
इसके बाद भारत ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जिनमें से तीसरे मौके पर रोहित (52) ने जोरदार शॉट लगाकर निर्णायक गोल किया और भारत ने मुकाबला 3-2 से जीत लिया।

दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज की पारी लड़खड़ाई

140 रन पर 4 विकेट गिरे

जडेजा ने कैम्पबेल और चंद्रपॉल के बाद रोस्टन चेज को आउट किया, भारत ने 5 विकेट पर 518 रन पारी घोषित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दिल्ली टेस्ट में भारत के खिलाफ पहली पारी में 4 विकेट पर 140 रन बना लिए हैं। टीम 384 रन से पीछे है। शाई होप और टेविन इमलाक नाबाद हैं। रवींद्र जडेजा ने कप्तान रोस्टन चेज (शून्य), तेगनारायण चंद्रपॉल (34 रन) और जॉन कैम्पबेल (10 रन) को आउट किया। जबकि कुलदीप यादव ने एलिक एथनाज (41 रन) को पवेलियन भेजा। शनिवार को मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम ने पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित की। कप्तान शुभमन गिल ने करियर की 10वीं सेंचुरी जमाई। वे 129 रन बनाकर नाबाद लौटे। यशस्वी जायसवाल ने 175 रनों की पारी खेली। साई सुदर्शन ने 87, ध्रुव जुरेल ने 44 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 43 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जोमेल वारिकन ने तीन विकेट लिए। एक विकेट कप्तान रोस्टन चेज को मिला।

यशस्वी जायसवाल
रन 175 | गेंद 258 | स्ट्राइक रेट 67.83 | 4/6 : 22/0

शुभमन गिल
रन 129 | गेंद 196 | स्ट्राइक रेट 65.81 | 4/6 : 16/2

डबल सेंचुरी से चूके यशस्वी जायसवाल

भारतीय टीम ने शनिवार को सुबह 318 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया था। यशस्वी जायसवाल अपने ही गलत कॉल के कारण रनआउट हो गए।

रवींद्र जडेजा ने भारत को पहला विकेट दिलाया - 8वें ओवर में जडेजा ने गेंद ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी, जिस पर कैम्पबेल ने पूरी ताकत से स्वीप शॉट खेला। शॉर्ट लेग पर खड़े फील्डर साई सुदर्शन ने गेंद को आता देख अपनी आंखें बंद कर लीं और खुद को बचाने के लिए नीचे झुक गए।

लेकिन, जैसे ही वह नीचे झुके, उनके हाथ, हेलमेट और छाती से टकराती हुई गेंद उनके हाथ में फंस गई। यह कैच देखकर कैम्पबेल हैरान रह गए। कैच लेने के बाद साई सुदर्शन के उंगली पर चोट लगी जिस वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

शुभमन गिल ने रचा इतिहास, तोड़ा ऋषभ पंत का डब्ल्यूटीसी रिकॉर्ड

टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। गिल ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 26 वर्षीय गिल ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में नाबाद 129 रन की पारी खेली, जिसमें 16 चौके और दो छक्के शामिल थे। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत भारत ने 518/5 पर अपनी पारी घोषित की। यह गिल का कप्तान के रूप में पांचवां टेस्ट शतक है। इससे पहले वे इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में चार शतक जड़ चुके हैं, जिसमें उन्होंने पांच टेस्ट में 754 रन बनाए थे और सीरीज़ के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ रहे थे। इस शतक के साथ गिल ने डब्ल्यूटीसी में 2826 रन पूरे किए और इस सूची में ऋषभ पंत (2731) और रोहित शर्मा (2716) को पीछे छोड़ दिया।

वेस्टइंडीज ने पहला विकेट गंवाया। ओपनर जोन कैम्पबेल 10 रन बनाकर रवींद्र जडेजा की गेंद पर साई सुदर्शन के हाथों कैच आउट हो गए।

डब्ल्यूटीसी में भारत के टॉप रन-स्कोरर:

शुभमन गिल – 2826 रन
ऋषभ पंत – 2731 रन
रोहित शर्मा – 2716 रन
विराट कोहली – 2617 रन
रवींद्र जडेजा – 2515 रन

गिल ने अब तक 38 टेस्ट मैचों में 2826 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान के तौर पर उनका शानदार प्रदर्शन जारी है और अब भारत की अगली रेड-बॉल सीरीज़ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से शुरू होगी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।
वेस्टइंडीज– तेगनारायण चंद्रपॉल, जोन कैम्पबेल, एलिक एथनाज, रोस्टन चेज (कप्तान), शाई होप, टेविन इमलाक (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, खैरी पीयर, जोमेल वारिकन, एंडरसन फिलिप, जैडन सील्स।

भारत की एशिया कप ट्रॉफी एसीसी चीफ की कस्टडी में

कहा- मेरी इजाजत बिना न दें, टीम इंडिया ने उनके हाथों ट्रॉफी नहीं ली थी

दुबई (एजेंसी)। एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने अपने स्टाफ को निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और मौजूदगी के बिना एशिया कप ट्रॉफी न तो ऑफिस से हटाई जाए और न ही किसी को सौंपी जाए।

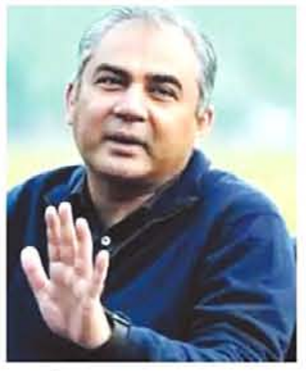

नकवी के एक करीबी सूत्र ने मीडिया को बताया, आज तक ट्रॉफी दुबई के एसीसी ऑफिस में ही रखी है। नकवी अब भी इस स्टैंड पर कायम हैं कि भारत को यह ट्रॉफी उनसे ही लेनी होगी।

भारत ने 28 सितंबर को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी एसीसी चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

पूरा मामला क्या है?

एशिया कप फाइनल के बाद नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन होने के नाते प्रेजेंटेशन सेरेमनी में आए थे। सेरेमनी के प्रेजेंटर साइमन डूल ने कहा कि भारतीय टीम उनसे अवॉर्ड्स नहीं लेगी। भारतीय टीम ऋ के किसी अन्य अधिकारी के हाथों ट्रॉफी लेने को तैयार थी, पर नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए।इसके बाद कार्यक्रम खत्म कर दिया गया और नकवी मंच से उतर गए। वे ट्रॉफी और मेडल्स भी अपने साथ ले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने इससे पहले पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। दूसरी ओर, पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने बार-बार 6-0 के इशारे किए थे। वे पाकिस्तान के इस फर्जी दावे को दोहरा रहे थे कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के 6 फाइटर जेट गिराए थे।

नकवी ने कहा था- मैं कार्टून की तरह खड़ा था

10 सितंबर को बीसीसीआई ने एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग में भारत को चैंपियन बनने के बावजूद ट्रॉफी नहीं दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। इस पर नकवी ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी ने कहा, मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था।

नकवी ने एसीसी दफ्तर में जमा कराई थी ट्रॉफी

1 अक्टूबर को खबर आई थी कि नकवी ने बीसीसीआई के विरोध के बाद एशिया कप ट्रॉफी को एसीसी ऑफिस में जमा करा दिया है। भारतीय बोर्ड ने एसीसी की एनुअल मीटिंग में नकवी को जल्द से जल्द ट्रॉफी वापस करने को कहा था। इतना ही नहीं, भारतीय अधिकारियों ने नकवी को चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो महाभियोग लाकर उनको एसीसी प्रमुख के पद से हटाया जा सकता है।

आज महिला विश्व कप में सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी हरमनप्रीत की भारतीय टीम

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। महिला क्रिकेट विश्व कप के तीसरे मैच में भारतीय टीम सात बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। पिछली हार और खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर अब जिम्मेदारी का दबाव है। अगर शीर्ष पांच बल्लेबाज जिम्मेदारी से नहीं खेलते, तो सेमीफाइनल की राह कठिन हो जाएगी।

टीम इंडिया का प्रदर्शन और चिंता - भारतीय टीम ने श्रीलंका और पाकिस्तान को निचले क्रम की मदद से हराया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में बृहस्पतिवार को टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच के बाद भारत चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों में पांच अंकों के साथ शीर्ष पर है।

शीर्षक्रम की असफलता और चिंता - लगातार तीसरे मैच में शीर्षक्रम नाकाम रहा। आठवें नंबर की बल्लेबाज रिचा घोष के 94 रन की मदद से ही टीम ने 251 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर पिछले तीन मैचों में सिर्फ 21, 19 और 9 रन ही बना पाई हैं। स्मृति मंधाना ने भी 8, 23 और 23 रन ही बनाए। मध्यक्रम की जेमिमा रॉड्रिग्स केवल पाकिस्तान के खिलाफ 32 रन ही बना पाई। कुल मिलाकर भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में कोई भी तीन मैचों में अर्धशतक नहीं बना सका। कप्तान हरमनप्रीत ने हार के बाद कहा, हम शीर्षक्रम में जिम्मेदारी से नहीं खेल सके। हमें बड़े स्कोर बनाने होंगे और सकारात्मक सोच के साथ खेलना होगा।

टीमें

भारत– हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रॉड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़
ऑस्ट्रेलिया– एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

ऑस्ट्रेलिया की चुनौती - ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कोई मैच नहीं गंवाया है। गत चैम्पियन ने पाकिस्तान के खिलाफ बेथ मूनी का शतक और गेंदबाजों की मदद से टीम को संकट से बाहर निकाला। तेज गेंदबाज किम गार्थ, मेगन शूट और अनाबेल सदरलैंड ने मिलकर सात विकेट लिए। पिछले 12 वनडे विश्व कप मुकाबलों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भारत को केवल 3 बार जीत मिली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 9 बार जीत दर्ज की है।

भारतीय खिलाड़ियों से उम्मीद - 2017 इंग्लैंड सेमीफाइनल में भारत की जीत की जिम्मेदारी निभाने वाली हरमनप्रीत कौर और स्पिनर दीप्ति शर्मा से इस बार भी वही प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद होगी।

सचिन तेंदुलकर ने अपना स्पोर्ट्स-ब्रांड 'टेन एक्स यू' लॉन्च किया

ब्रांड को तैयार करने में 18 महीने लगे, पैर में लगी चोट से बिजनेस का आइडिया आया था

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार (10 अक्टूबर) को अपने स्पोर्ट्स एथलेटिक ब्रांड 'टेन एक्स यू' को लॉन्च किया। मुंबई के बांद्रा में मेहबूब स्टूडियो में हुए इस लॉन्च इवेंट में सचिन की पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ-साथ पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रवीण आमरे और बीसीसीआई के मौजूदा चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर भी मौजूद थे।

इस ब्रांड का मकसद भारत को खेलों से प्यार करने वाले देश से खेलने वाला देश बनाना है। इसके अलावा 'टेन एक्स यू' ब्रांड का फोकस लोगों में खेल के जुनून को बढ़ाना और उन्हें सही प्रोडक्ट्स देना है, जो न सिर्फ एथलीट्स के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी हों। इस ब्रांड के तहत स्पोर्ट्स शूज, टी-शर्ट्स के अलावा कई और प्रोडक्ट्स भी बेचे जाएंगे।

ब्रांड को तैयार करने में 18 महीने लगे - सचिन ने लॉन्च पर कहा, आज हमने 'टेन एक्स यू' ब्रांड लॉन्च किया, मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं। उन्होंने बताया कि इस ब्रांड को तैयार करने में करीब 18 महीने लगे। इसके अलावा उन्होंने अपने करियर के एक्सपीरियंस को इसमें डाला है।

सचिन ने कहा, मैंने अपने करियर में जो कमी महसूस की, उसे हमने इस ब्रांड में पूरा करने की कोशिश की है। क्रिकेट शूज के साथ-साथ कई ऐसे प्रोडक्ट्स बनाए हैं, जो आम लोग भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको एथलीट होने की जरूरत नहीं है। मेरा मकसद है कि हमारा देश खेलों से प्यार करने वाले देश से खेलने वाला देश बने। ये बहुत जरूरी है।

विश्व पैरा चैंपियन सिमरन के गाइड उमर सैफी डोपिंग में फेल, पदक गंवाने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता धावक सिमरन शर्मा के पदक खतरे में हैं। कारण उनके गाइड उमर सैफी का डोप परीक्षण में असफल होना है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने सैफी को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सैफी पिछले सात महीनों से दृष्टिबाधित सिमरन के गाइड हैं। उनके डोप टेस्ट में ड्रोस्टैनोलोन पाया गया, जो एक प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड है और मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है।

सिमरन ने 7 सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, जहां उनका यह डोप टेस्ट किया गया था। सैफी का नाम शुक्रवार को नाडा द्वारा जारी अस्थायी निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया। वह इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं और 'बी' नमूना परीक्षण की मांग कर सकते हैं। सिमरन ने इस साल भारत में आयोजित पहली बार विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर टी12 में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत पदक भी जीता था। 100 मीटर का यह स्वर्ण उनका लगातार दूसरा विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण है। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियमों के अनुसार, यदि सैफी अपनी बेगुनाही साबित करने में विफल रहते हैं, तो सिमरन अपने पदक खो सकती हैं। भारतीय पैरा एथलेटिक्स के चेयरमैन सत्यनारायण ने कहा, गाइड भी प्रतियोगिता का हिस्सा होते हैं और उन्हें भी पदक मिलता है। यदि गाइड डोपिंग में दोषी पाया गया तो एथलीट को भी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

पिछले साल पेरिस पैरालंपिक में सिमरन ने कांस्य पदक जीता था, उस समय उनके गाइड अभय सिंह थे। नाडा की अपडेटेड सूची में 30 नए नाम शामिल किए गए हैं।

हरियाणा में 13 साल बाद ओलिंपिक संघ के स्टेट गेम्स

पहली बार खिलाड़ियों का डोप टेस्ट होगा; ग्रुप-डी नौकरी में चलेगा इसका सर्टिफिकेट

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा ओलिंपिक संघ प्रदेश में 13 साल बाद स्टेट गेम्स करवाने जा रहा है। जिसमें पहली बार खिलाड़ी डोप टेस्ट की प्रक्रिया से भी गुजरेंगे। खिलाड़ियों का रैंडम सैंपल लिया जा सकता है। जिसके लिए गेम्स के दौरान नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) की टीम मौजूद रहेगी। हरियाणा ओलिंपिक संघ (एचओए) के द्वारा आयोजित स्टेट गेम्स के विजेता खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगें। सर्टिफिकेट के द्वारा स्पोर्ट्स विभाग से खिलाड़ी ग्रेडेशन सर्टिफिकेट बनवा सकेंगे। हरियाणा सरकार की खेल नीति 2018 के अनुसार ये ग्रेडेशन सर्टिफिकेट ग्रुप-ड्ड की नौकरी के लिए मान्य होगा। स्टेट गेम्स की शुरुआत गुरुग्राम में 2 नवंबर को होगी। जिसका शुभारंभ सीएम नायब सैनी करेंगे, इस दौरान ओलिंपिक संघ अध्यक्ष पीटी ऊषा भी मौजूद रहेंगी। हरियाणा ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन जसविंद्र मीनू बैनीवाल ने कहा कि 2018 हरियाणा की खेल नीति में शामिल गेम्स को इसमें शामिल किया गया है।

प्रथम चरण में 25 खेलों को स्थान - हरियाणा ओलिंपिक संघ के स्टेट गेम्स में वेटलिफ्टिंग, फेंसिंग, आर्चरी, टेनिस, हैंडबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, नेटबॉल, बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी, जूडो, बैडमिंटन, साइक्लिंग, वॉलीबॉल, ट्रायथलन, स्विमिंग, वॉटरपोलो, बॉक्सिंग, कराटे, फुटबॉल, नौकायान, शूटिंग गेम्स शामिल होंगे।

प्रदेश के 11 शहरों में होगा आयोजन - ओलिंपिक संघ प्रदेश के 11 स्थानों पर इन खेलों का आयोजन करवा रहा है। जिसमें चंडीगढ़, कुरुक्षेत्र, करनाल, सोनीपत, झज्जर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक और हिसार शहर अपेक्षित सेंटर होंगे। प्रदेश में शूटिंग रेंज नहीं होने के कारण शूटिंग की व्यवस्था दिल्ली की करणी रेंज पर होगी।

हर खेल में 8 बेस्ट टीम लेंगी हिस्सा - टीम प्रतियोगिताओं में हरियाणा की 8 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान जिले की एक टीम को हिस्सा लेने की अनुमति होगी। हरियाणा पुलिस व एचएसआईआईडीसी, हरियाणा पावर, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई, शाह सतनाम सिंह खेल एकेडमी की टीम भी हिस्सा ले सकती हैं। विशेष परिस्थितियों में एचओए भी अपनी टीम भेज सकता है। एकल प्रतियोगिताओं में उच्च श्रेणी के 8 खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। खिलाड़ियों का चयन विगत में हुई प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं व खेल विभाग द्वारा आयोजित खेल महाकुंभ के आधार पर होगा।

गुड़हल के पौधे पर लगे हुए फूल लोगों को बहुत अच्छे लगते हैं। मगर बदलते मौसम के साथ ही गुड़हल का पौधा मुरझाने लग जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पहले से ही कुछ बातों का ध्यान रखें। इससे ना ही आपके गुड़हल के पौधे पर कीड़े लगेंगे और ना ही वो मुरझाएगा। आइए जानते हैं गुड़हल के पौधे को हमेशा हरा-भरा रखने के लिए क्या करना चाहिए।

गुड़हल के पौधे को रखें हमेशा हरा-भरा

गुड़हल के पौधे को लगाते वक्त सही मिट्टी लगाने के साथ-साथ आपको 4-6 महीने में दोबारा पौधे की मिट्टी बदलनी चाहिए। अगर आप मिट्टी बदल नहीं रहे हैं, तो खुरपी की मदद से उसे अच्छी तरह से खुरेच दें। इसके बाद मिट्टी में खाद आदि मिलाएं और उसे फ्रेश कर दें। इस ट्रिक की मदद से गुड़हल के पौधे से जुड़ी आदी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

गुड़हल के पौधे के लिए स्प्रे

गुड़हल के पौधे और पत्तियों में किड़े लग जाए तो इसके लिए आप नीम के तेल से स्प्रे तैयार करके इस्तेमाल करें। इसके लिए आपको 1 बाउल पानी लेना है और उसमें 1 चुटकी बेकिंग सोडा, 1 चम्मच शैम्पू और 2-3 बूंदें नीम के तेल की मिलाकर सप्रे तैयार करना है। अब इस स्प्रे को पौधे पर हफ्ते में एक बार जरूर स्प्रे करें।

गुड़हल के पौधे की कटींग

बहुत से लोग गुड़हल के पौधे पर लगी 1-2 खराब पत्तियों को इग्नोर कर देते हैं। ऐसा करना गलत है। कोशिश करें कि आप गुड़हल के पौधे पर जैसे ही कोई पत्ती या हिस्सा खराब हो, उसे काट दें। ऐसा करने से आपका पौधा हमेशा हरा-भरा रहेगा।

गुड़हल के पौधे में डालें इनो

इन सभी टिप्स के साथ-साथ गुड़हल के पौधे में इनो को पानी डालें। हफ्ते में 1 बारी इस ट्रिक को फॉलो करने पर आपके पौधे से किड़े भाग जाएंगे और पौधे पर ढेर सारे फूल खिलेंगे।

हरी मिर्च के फायदे

वजन कंट्रोल करने से लेकर ग्लोइंग स्किन तक

मेटाबॉलिज्म तेज करता है

हरी मिर्च में कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड पाया जाता है। जो मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, इससे कैलोरी जल्द बर्न होती है, साथ ही ये बॉडी टेम्प्रेचर को भी मेटेंन रखती है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मददगार

हरी मिर्च के सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए रामबण है।

दर्द निवारक

हरी मिर्च में मौजूद कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड दर्द निवारक के रूप में काम करता है। इसके सेवन से अर्थराइटिस जैसे दर्द से आराम मिलता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

हरी मिर्च में पाया जाने वाला कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड आंतों में हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है, जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

विटमिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसमें बीटा-कैरोटीन के गुण भी होते हैं, जिसके सेवन से स्किन पर ग्लो आता है और झुर्रियां कम होती है।

अल्सर में मिलती है राहत

रोजाना एक हरी मिर्च के सेवन से करने से अल्सर की समस्या नहीं होती। इससे मुंह और पेट के अल्सर से राहत मिलती है, क्योंकि हरी मिर्च शरीर के टेम्प्रेटर को मेंटेन रखती है।

भूख नियंत्रित करने में कारगर

जिस खाने में आप हरी मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, इससे भूख आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। जिससे वजन कम होने में भी मदद मिल सकती है।

पुरानी साड़ी को अलग-अलग कामों के लिए इस्तेमाल

घर में मौजूद किसी भी चीज को फेंकने से बचें। बहुत बार हम सामान को खराब समझकर फेंक देते हैं, जो गलत है। बता दें कि आप दूध के पैकेट से लेकर कपड़ों तक को दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते हैं पुरानी साड़ी की मदद से आप कैसे अलग-अलग काम कर सकते हैं।

पुरानी साड़ी से बनाएं पर्दा

पुरानी साड़ी को दोबारा इस्तेमाल करने का सही तरीका है कि आप उससे घर के अलग-अलग हिस्सों के लिए पर्दे बना लें। अगर आपकी ओपन किचन है या रसोई में विंडो है, तो आप उसके लिए भी पुरानी साड़ी से पर्दे बना सकते हैं।

आपको बस साड़ी के सही हिस्से को पर्दे का आकार देना है। इसके बाद आप उसे पर्दे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। कोशिश करें कि आप बहुत लाइट रंग की साड़ी को पर्दे की तरह इस्तेमाल ना करें।

पुरानी साड़ी से बनाएं फ्रिज का कवर

पुरानी साड़ी की मदद से आप फ्रिज का कवर भी बना सकते हैं। फ्रिज पर बार-बार लगने वाली धूल-मिट्टी एक समय के बाद नए फ्रिज को पुराना बना देती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पुरानी साड़ी को फ्रिज के कवर का आकार दें और उसपर एक्स्ट्रा पॉकेट भी लगाएं।

ऐसे में कवर से फ्रिज साफ भी रहेगा और उसमें आप छोटा-मोटा सामान भी रख पाएंगे। फ्रिज के हैंडल पर लगने वाले जिद्दी दागों से बचने के लिए आप साड़ी से फ्रिज के हैंडल के लिए भी कवर बना सकते हैं।

पुरानी साड़ी से करें बर्तनों को साफ

पुरानी साड़ी को आप रसोई के गीले बर्तनों को साफ करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको किचन के लिए अलग से डस्टर नहीं लेना पड़ेगा। इसके साथ-साथ आप पुरानी साड़ियों से रसोई की गंदगी भी साफ कर सकते हैं।

किचन अलमारी के लिए करें यूज

इन सभी टिप्स के साथ-साथ आप पुरानी साड़ी को किचन के कामों के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। कॉकरोच जैसी समस्याओं से रसोई को बचाने के लिए यह एक बहुत अच्छा तरीका है।

डाइजेशन को सुधारने के लिए इलायची चाय

हम जो भी खाते हैं, उसका सही से पचना बहुत जरूरी है। अगर खाना ठीक से नहीं पचता है, तो न केवल इससे डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती है, बल्कि इसका असर आपके पूरा शरीर पर होता है। खाने का सही से पचना, इससे शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स और एनर्जी मिलना व अपशिष्ट पदार्थों का शरीर से बाहर निकलना बहुत जरूरी है। जब खाना ठीक से नहीं पचता है, तो शरीर को जरूरी पोषण भी नहीं मिलता है और इससे मोटापा भी बढ़ता है। मेटाबॉलिज्म कमजोर होने पर खाना ठीक से नहीं पचता है। जिससे अपच, गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी हो सकती है।

- अगर आपको खाने के बाद पेट में भारीपन महसूस होता है, खाना ठीक से नहीं पचता है और लंच के बाद इलायची चाय पिएं।
- यह डाइजेशन को सुधारती है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है।
- इलायची वाली चाय केवल स्वाद में ही अच्छी नहीं होती है, बल्कि इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण मेटाबॉलिज्म और डाइजेस्टिव सिस्टम को दुरुस्त रखते हैं।
- इसमें फाइबर भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसलिए यह खाना पचाने के साथ कब्ज, गैस और एसिडिटी भी दूर करती है।
- कुछ लोगों को गैस की वजह से खाने के बाद उल्टी और पेट दर्द महसूस होता है, ऐसे में आप इस चाय को जरूर पिएं।
- इलायची में सोडियम, पोटेशियम, फाइबर, प्रोटीन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। डाइजेशन सही करने के अलावा, इसकी चाय के और भी कई फायदे हैं।
- मौसम बदलने पर अगर आप सर्दी, खांसी और शरीर के दर्द से परेशान हैं, तो भी यह चाय मदद कर सकती है।
- पेट में गर्मी, जलन और एसिडिटी को भी यह दूर करती है।

ऐसे माता या पिता जिनके छोटे बच्चे होते हैं, जब वे Work from home स्कीम के तहत घर से काम करते हैं। तो इसमें वे ऑफिस की जरूरी वीडियो कॉल के समय अपने बच्चों को संभालने की कोशिश करते हैं या फिर किसी टास्क को पूरा कर रहे होते हैं। हालांकि, बच्चे नटखट हो सकते हैं और आपके काम में बाधा भी उत्पन्न कर सकते हैं। इससे बच्चे आपके कामों को समय से पूरा करना कठिन भी बना सकते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि अपने बच्चे का मनोरंजन करने के साथ साथ देखभाल करना असंभव है। कुछ ऐसे तरीके हैं जिसे इस्तेमाल से लाने से आप आसानी से काम कर सकते हैं।

घर से काम करते समय बच्चों की ऐसे करें देखभाल

- बच्चों को देखभाल और ध्यान की आवश्यकता इसलिए होती क्योंकि उन्हें स्कूल, खेल और अन्य गतिविधियों के लिए आपको ही ले जाना पड़ सकता है।
- घर से काम करते समय अपने बच्चों को खाना, कपड़े और अन्य जरूरतों की आवश्यकता हो सकती है। साथ ही आपको ऑफिस का काम भी देखना पड़ सकता है। इस बीच समय का सही तालमेल बिठाना जरूरी हो सकता है।
- घर से काम करते समय बच्चों की देखभाल करना एक चुनौती हो सकती है, लेकिन यह संभव है। पैरेंट को अपने काम और बच्चों की देखभाल के बीच संतुलन बनाने के लिए कुछ योजना बनाने की आवश्यकता होती है।
- अपने काम के समय को सारणी बनाकर व्यवस्थित तरीके से निर्धारित करें। इसके लिए काम करने और बच्चों की देखभाल के समय का खास निर्धारित कर सकते हैं। टाइम मैनेज करें ताकि आप काम भी कर सकें और बच्चों को भी ध्यान दे सकें।
- अपने बच्चों को अपने काम में शामिल करें। अपने बच्चों को अपने काम में शामिल करके उन्हें जिम्मेदारी और आत्मविश्वास का अनुभव कराने में भी मदद कर सकते हैं। उन्हें छोटे-छोटे काम सौंपें, जैसे कि खुद से डायपर बदलना, थोड़े बहुत कपड़े धोना या साफ सफाई करना।
- आपने बच्चों के साथ सामूहिक खेल खेलने का प्रयास करें, जैसे कि बोर्ड खेल, पहेलियां और कहानियां सुनाना। इससे बच्चे मनोरंजन के साथ-साथ कुछ नया भी सीख सकते हैं।
- अगर आपको सहायता की आवश्यकता पड़ती है, तो दोस्तों, परिवार के सदस्यों, किसी रिश्तेदार, या नर्सरी की मदद ले सकते हैं।
- बच्चों को सामाजिक संबंध बनाने और अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का अवसर दें। इससे आपके बच्चे आपको काम करने में परेशान भी नहीं करेंगे साथ ही वे एंजॉय कर सकते हैं।

बेड की लकड़ी को दोबारा चमकदार बनाने के टिप्स

घर के किसी भी हिस्से की तरह फर्नीचर भी अक्सर पुराना और गंदा हो जाता है। ऐसा होने पर आप लोग बेड पर पॉलिश करवाते हैं, जिस वजह से खर्चा होता है। मगर क्या आपको पता है कि आप घर में मौजूद चीजों की सहायता से भी बेड की लड़की को चमकदार बना सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ आसान हैक्स।

जैतून के तेल से बेड को बनाएं साफ

लकड़ी के फर्नीचर को भी आप जैतून के तेल की मदद से चमकदार बना सकते हैं। जैतून के तेल की मदद से सामान बहुत चमकदार बन जाता है। इसके लिए आपको जैतून का तेल लेना है और नींबू का आधा रस मिलाना है। अब इस इस लिक्विड से कपड़े को गीला करें और फर्नीचर को साफ करें।

बेड पर लगे दाग कैसे हटाएं?

बेड की लकड़ी पर अक्सर गंदे दाग लग जाते हैं, जिसे आप बेकींग सोडा की मदद से साफ कर सकते हैं। बेकिंग सोडा में सिरका मिलकर बहुत स्ट्रांग और असरदार हो जाता है, जिससे बेड पर लगे निशान अच्छे से साफ हो जाते हैं।

नारियल के तेल से बेड की लकड़ी को करें साफ

नारियल का तेल भी बेड की लकड़ी को चमकाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है आपको बस एक बाउल में पानी लेना है और उसमें 1 चम्मच नारियल का तेल डालें। अब आप इस लिक्विड को पूरे बेड पर लगाएं।

हम सभी अपने घर में प्लांट्स को जरूर रखते हैं। कुछ लोग घर के अंदर तो कुछ घर के बाहर प्लांट्स रखना पसंद करते हैं। आमतौर पर, प्लांट्स रखते समय हम सबसे पहले यह देखते हैं कि उसे सही तरह से धूप मिले। इस वजह से कई बार हम अपनी मनपसंद जगह पर प्लांट नहीं रख पाते हैं।अगर आपके साथ भी अक्सर यह समस्या होती है तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे कई प्लांट्स होते हैं, जिन्हें छाया में भी रखा जा सकता है। ये प्लांट्स को हल्की धूप से भी अच्छी तरह खिलते हैं। वहीं, अगर इन्हें धूप नहीं भी मिलती है तो भी इन्हें खिलने में परेशानी नहीं होती है।

बिना सनलाइट भी कभी मुरझाएंगें नहीं ये प्लांट

फर्न

फर्न की कई प्रजातियां हैं, जो अलग-अलग साइज और शेप में अवेलेबल हैं। इसलिए, इन्हें डिफरेंट गार्डन स्टाइल के लिए सलेक्ट किया जा सकता है। वे लगातार नम मिट्टी वाले शेडेड या फिर हल्के शेडेड एरिया में आसानी से रख सकते हैं।

कोरल बेल्स

अगर आप छायादार एरिया में ग्रीनरी शामिल करना चाहते हैं तो ऐसे में कोरल बेल्स लगाना भी अच्छा विचार हो सकता है। इन पौधों में रंग-बिरंगे पत्ते होते हैं, जो छायादार एरिया को भी खूबसूरत बनाने मेंअ मदद करता है। उन्हें आंशिक से लेकर पूरी तरह से छायादार हिस्से में रखा जा सकता है। हालांकि, इनकी लगातार ग्रोथ के लिए फूलों के डंठलों को खिलने के बाद ट्रिम करना ना भूलें।

एस्टिल्ब्स

एस्टिल्ब्स एक बेहद ही खूबसूरत पौधा है, जिस पर अलग-अलग रंगों में खूबसूरत फूल आते हैं। वे लगातार नम मिट्टी के साथ आंशिक से पूर्ण छाया में पनपते हैं। इसलिए, इन्हें छायादार हिस्से में बिना किसी परेशानी के रखा जा सकता है।

जापानी फोरेस्ट:

ग्रास घास की यह किस्म शेड टॉलरेंट है, जिससे आपके गार्डन एरिया और भी अधिक ग्रेसफुल बनता है। इसे आप हल्की छाया से लेकर पूरी छायादार जगह पर रख सकती है। नि

लिली ऑफ द वैली

यह एक खुशबूदार पौधा है, जो बेल के आकार का होता है। यह देखने में भी बेहद खूबसूरत लगता है और इसलिए इसे आउटडोर या इनडोर आसानी से रखा जा सकता है। इन्हें आंशिक से लेकर पूरी तरह छायादार एरिया में रखा जा सकता है।

ट्रॉली बैग क्लीन करने के तरीके

सफर के दौरान हमारा ट्रॉली बैग धूल, मिट्टी, गंदगी का भी सामना करता है जिस कराण यह जल्दी गंदा हो जाता है। कई बार हम सफर से वापस आने के बाद बिना बैग को साफ किए इसे वैसे ही घर के एक कौने में रख देते हैं, जिस कारण इसमें से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स और ट्रिक्स लेकर आए हैं, जिसकी मदद से आप घर पर ही अपने ट्रॉली बैग को साफ कर सकते हैं।

हाथ से करें सफाई

अगर आपका ट्रॉली बैग कपड़े का बना है तो आप इसे अपने हाथ से साफ कर सकते हैं। बना है और हाथ धोने के लिए उपयुक्त है, तो एक बाथटब को गुनगुने पानी से भरे और फिर इसमें लिक्विड डिटर्जेंट डालें। अब अपने बैग को साबुन के पानी में डुबोएं और हल्के हाथों से ब्रश से रगड़कर साफ करें। फिर इसे साफ पानी से साफ कर दें और धूप में सूखने के लिए रख दें।

स्पॉट क्लीनिंग

सफर के दौरान बैग के बाहरी हिस्से पर छोटे-छोटे दाग या धब्बे पड़ जाते हैं। ऐसे में आप स्पॉट क्लीनिंग की मदद से इसे साफ कर सकते हैं। आपको बस हल्के डिटर्जेंट और पानी के मिश्रण में साफ कपड़े या स्पंज को भिगोना है। फिर हल्के हाथों से दाग वाले क्षेत्र को साफ करना है। जब एक बार दाग साफ या हल्का हो जाए तो इसे सुखे और साफ कपड़े से साफ कर दें।

ट्रॉली बैग के पहियों की सफाई

ट्रॉली बैग के पहियों में गंदगी और मलबा जमा हो जाता है। ऐसे में उन्हें साफ करने के लिए आप एक कपड़े या स्पंज को पानी और हल्के डिटर्जेंट में भीगो लें। इसके बाद अपने ट्रॉली बैग के पहियों को अच्छे से साफ करें और उस पर लगी गंदगी को निकाल दें। आखिर में साफ पानी से इसे धोना ना भूले।

फूलगोभी की चटपटी कढ़ी

आवश्यक सामग्री

फूलगोभी- 1 1/2 कप कटी हुई, काबूली चने-1 कप, उबले हुए प्याज 1 कप, कटी हुई टमाटर 1/2 कप कटे हुएहरी मिर्च 1, कटी हुई तेज पत्ता 1, अदरक लहसुन का पेस्ट, 1 चम्मच राई, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच गरम मसाला, आधा चम्मच, स्वादानुसार नमक, छौंक के लिए तेल

बनाने की विधि

- ✓ फूलगोभी की कढ़ी बनाने के लिए सबसे पहले किसी बर्तन में फूलगोभी को थोड़ा पानी डालकर उबलने रख दें।
- ✓ अब पैन में तेल डालकर गर्म कर लें। इसमें राई, तेजपत्ता और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर थोड़ी देर भून लें।
- ✓ अब इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर गोल्डन होने तक फ्राई कर लें।
- ✓ इसके बाद टमाटर डाल दें और नरम होने तक पकाएं। फूलगोभी जब हल्की गल जाए, तो इसे पानी से अलग निकाल कर रख लें।
- ✓ जब टमाटर गल जाएं, तो इसमें हल्दी और लाल मिर्च डालकर मसाले को तब तक भूने जब तक ये तेल न छोड़ दे।
- ✓ इसके बाद मसाले में फूलगोभी, चने, गरम मसाला, नमक और पानी डालकर इसे 5 मिनट तक पकाएं।
- ✓ जब सभी चीजें अच्छी तरह से मिक्स हो जाएं तो गैस बंद कर दें।

इसे हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सर्व करें।

- ✓ फूलगोभी की कढ़ी रोटी और चावल के साथ बहुत स्वादिष्ट लगती है।

ग्लिटरी शेड से रंगें नाखूनों को

गोल्ड

आप गोल्ड से कभी भी उक्ता नहीं सकते. फिर चाहे बात कपड़ो की हो, ऐक्सेसरीज़ की या ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की. गोल्ड एक ऐसा शेड है, जो भीड़ में आपको सबसे अलग दिखा सकता है. इस शेड को अपने नाख़ूनों पर सजाएं और इसका जादू चलने दें. बेस कोट लगाएं और दो कोट्स मेटैलिक गोल्ड नेल पेंट के लगाएं.

एमरल्ड ग्रीन

इस शेड को अपने मैनिक्योर किट में ज़रूर रखें. बेस कोट लगाएं और फिर उसपर एमरल्ड ग्रीन कलर लगाएं. नाख़ूनों को सूखने के लिए कम से कम 10 मिनट तक का वक़्त दें. स्पार्कलिंग नाख़ून चाहती हैं, तो हाइ-शाइन ग्लिटर ग्लॉस का फ़ाइनल टॉप कोट लगाएं.

सफ़ायर ब्लू

यदि आपकी रंगत गोरी है, तो इस शेड से अपने नाख़ूनों को सजाने में बिल्कुल देरी न करें. वैसे यह शेड सांवली रंगत पर भी अच्छा लगता है. क्लासी नेल्स पाने के लिए बेस कोट यानी सफ़ायर ब्लू से नाख़ूनों को तैयार करें. सुनहरे रंग के नेलपेंट से नाख़ून के बीचोंबीच ट्राइऐंगल बनाएं. बीच वाले नाख़ून और अंगूठे पर के ट्राइऐंगल को नाख़ून के सिरों तक लगाएं. वहीं बाक़ी नाख़ूनों पर छोटा-सा ट्राइऐंगल बनाएं. चाहें तो आप सुनहरे रंग से अलग-अलग ज्योमेट्रिकल शेप्स भी बना सकती हैं.

पर्पल ग्लिटर

गहरे शेड को ग्लिटर के साथ आज़माने का इससे बेहतर तरीक़ा क्या होगा? पर्पल शेड के दो कोट्स लगाएं. नेल कलर को सूखने दें. जब पॉलिश अच्छी तरह सेट हो जाए, तो थोड़ा-सा ग्लिटर पहली दो उंगलियों पर थपथपाएं. अब ऊपर से क्लियर टॉप कोट लगाएं, ताकि ग्लिटर्स सेट हो सकें.

फेस्टिव सीज़न में क्या पहनना है?

राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नज़रें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंस्पिरेशन से कम नहीं। हवादार कुर्ता सेट से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक्स, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर- वाइब्रेंट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं – फ्यूशिया पिंक कुर्ता सेट, जिस पर नाजुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जुत्तियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उतना ही सहज है जितना कि एलीगेंट। परिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है। राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैजुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

➢ साड़ी ग्लैमरः आइवरी एलिगेंस

जो लोग सदाबहार पारंपरिक लुक को पसंद करते हैं, उनके लिए राशि की आइवरी सिल्क साड़ी और कंट्रास्टिंग पिंक ब्लाउज़ एकदम परफेक्ट हैं। गजरे से सजा जूड़ा, स्टेटमेंट ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप पुराने ज़माने की खूबसूरती का एहसास देते हैं – फेस्टिव डिनर या सांस्कृतिक समारोहों के लिए यह एक क्लासिक चॉइस है।

➢ रीगल रेडियंसः ऑलिव-गोल्ड साड़ी स्टेटमेंट

राशि की तरह बोल्ड और सोफिस्टिकेटेड स्टेटमेंट दें इस डैज़लिंग ऑलिव-गोल्ड साड़ी में, जिसे उन्होंने डीप-कट एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ के साथ पेयर किया है। यह लुक पारंपरिक कारीगरी और मॉडर्न स्टाइल का शानदार संगम है – भव्य पारिवारिक आयोजनों या फेस्टिव पार्टियों के लिए एकदम उपयुक्त है।

➢ फेस्टिव ड्रीमः ग्रीन और पिंक लहंगा लव

जब फेस्टिव मूड अपने चरम पर हो और आप कुछ नया ट्राय करने का मन हो, तो राशि का यह ग्रीन और पिंक लहंगा तोरानी डिज़ाइनर का सबसे ख़ास त्यौहारी आकर्षण है जो किसी शोस्टॉपर से कम नहीं। बारीक डिटेलिंग, रिच कलर्स और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ यह लुक शादियों, रिसेप्शन या दीवाली पार्टीज़ के लिए परफेक्ट है।

सोनू सूद फिर जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए

अपनी अटूट करुणा और संवेदनशीलता की एक और दिल छू लेने वाली मिसाल पेश करते हुए अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद एक बार फिर एक ज़रूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें एक मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया कि सोनू सूद पंजाब की बाढ़ के समय इसी परिवार से मिले थे। संदेश में लिखा था –सोनू सूद भाई, आप इस परिवार से पंजाब बाढ़ के समय मिले थे। कृपा करके इन्हें मदद करें। करोड़ों लोगों की मदद की है आपने। ?? सूद फाउंडेशन अपने 'एक्शन मैन' वाली पहचान को साबित करते हुए सोनू सूद ने तुरंत इस अपील का जवाब दिया। बिना किसी देरी के उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद पहले से ही चल रही है, और जवाब दिया, इलाज शुरू करवा दिया है। सब दुआ करते रहें। उनकी प्रतिक्रिया की सरलता और तत्परता ने एक बार फिर संकटग्रस्त लोगों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सच्ची प्रतिबद्धता को उजागर किया। सोनू के लिए, परोपकार एक दिखावा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। पिछले कुछ वर्षों में, सोनू सूद देश भर के अनगिनत लोगों के लिए आशा और मानवता के प्रतीक बन चुके हैं। चाहे चिकित्सा सहायता दिलवाना हो, आर्थिक मदद पहुँचानी हो या आपदाग्रस्त परिवारों को संभालना – उनकी संस्था सूद फाउंडेशन के माध्यम से किए गए निरंतर प्रयास आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक बार फिर, उनके काम ने यह साबित कर दिया कि असली हीरो वही होता है जो संवेदना और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है।

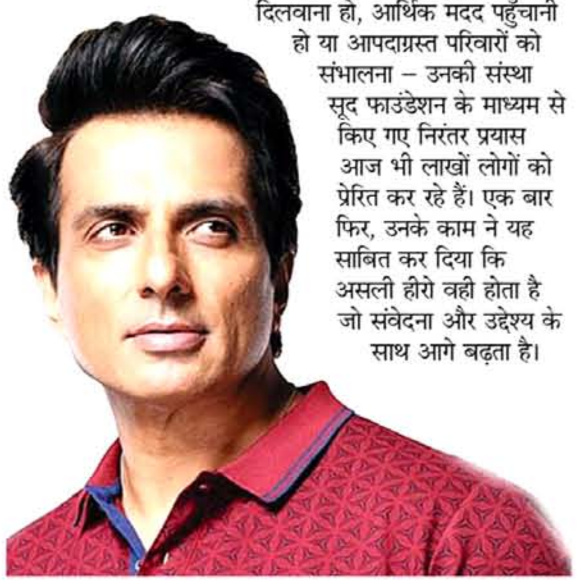

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सुनील शेट्टी

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक्टर ने कोर्ट से मांग की है कि बिना अनुमति के उनके फोटो का इस्तेमाल जुए की साइट्स, बिजनेस साइट्स और कई गलत जगहों पर किया जा रहा है, ऐसे में उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा दी जाए। सुनील शेट्टी के वकील, वरिष्ठ एडवोकेट बिरेन्द्र सराफ ने कहा कि सुनील शेट्टी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और उनकी बिना इजाजत के उनकी तस्वीरें, वीडियो और डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल अलग-अलग बिजनेस साइट्स कर रही हैं। ज्यादा तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल प्रोडक्ट के विज्ञापन और सेल को बढ़ाने में किया जा रहा है, जिससे ऐसा लगता है कि शेट्टी इन ब्रांड्स या सेवाओं से जुड़े हैं, जबकि हकीकत में उनका उन ब्रांड से कोई लेना-देना नहीं है। इससे दर्शकों के बीच एक्टर की छवि को लेकर गलत मैसेज जाता है। सुनील शेट्टी की तरफ से दायर की गई याचिका में डीपफेक फोटो का भी जिक्र है।

चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को मिला सम्मान

- गौतम अडानी ने सम्मानित किया, सुभाष घई बोले- एक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम

मुंबई के व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में शुक्रवार को आयोजित Celebrate Cinema 2025 के समापन समारोह में इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक मंच पर नजर आए। इस मौके पर अडानी ग्रुप चेयरमैन गौतम अडानी ने अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म चंदू चैंपियन के लिए सम्मानित किया। मंच पर डॉ. प्रीति अडानी, सुभाष घई, राजकुमार हिरानी, जैकी श्रॉफ और महावीर जैन भी मौजूद रहे। इस मौके पर सुभाष घई ने बताया कि कार्तिक का फिल्म चंदू चैंपियन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है।

समापन समारोह के दौरान अडानी ने सॉफ्ट पावर ऑफ सिनेमा पर बात करते हुए कहा कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि देश की पहचान और भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा - अब वक्त है कि भारत की कहानी भारतीय नजरिए से दुनिया तक पहुंचे।ढ्ढ तकनीक पर बात करते हुए अडानी ने कहा कि ढ्ढ से डरने के बजाय उसे अपनाना चाहिए, क्योंकि यही फिल्ममेकिंग का भविष्य है।

गौतम अडानी से सम्मानित होने के बाद कार्तिक आर्यन ने कहा, सर, आपकी स्पीच मेरी जिंदगी की सबसे प्रेरणादायक स्पीच में से एक थी। मैं ढ्ढ से डरता था, लेकिन आपने मेरी सोच बदल दी।'' उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स को देश का श्रेष्ठ फिल्म स्कूल बताया और सुभाष घई को अपने करियर का अहम मार्गदर्शक कहा। सुभाष घई ने भावुक होकर कहा- बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्तिक मेरी फिल्म कांची के हीरो थे और छह महीने तक मेरे असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहे। चंदू चैंपियन उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है। राजकुमार हिरानी ने अडानी के भाषण को शोले की स्पीच जैसा ऐतिहासिक बताया और कहा कि सिनेमा की सॉफ्ट पावर उसकी सच्चाई में है।

इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड

दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक UNTOLD दुबई 2025 के स्टार-स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा – जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेटेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉन्ग शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गर्ल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो चुका है, जो उनके बढ़ते वैश्विक प्रभाव और सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ता है, क्योंकि वह हर रिलीज़ के साथ ग्लोबल चार्ट और चर्चाओं पर हावी रहती हैं।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

अश्लीलता वाली फिल्मों की मंजूरी पर जावेद अख्तर ने उठाया सवाल

दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी की बात

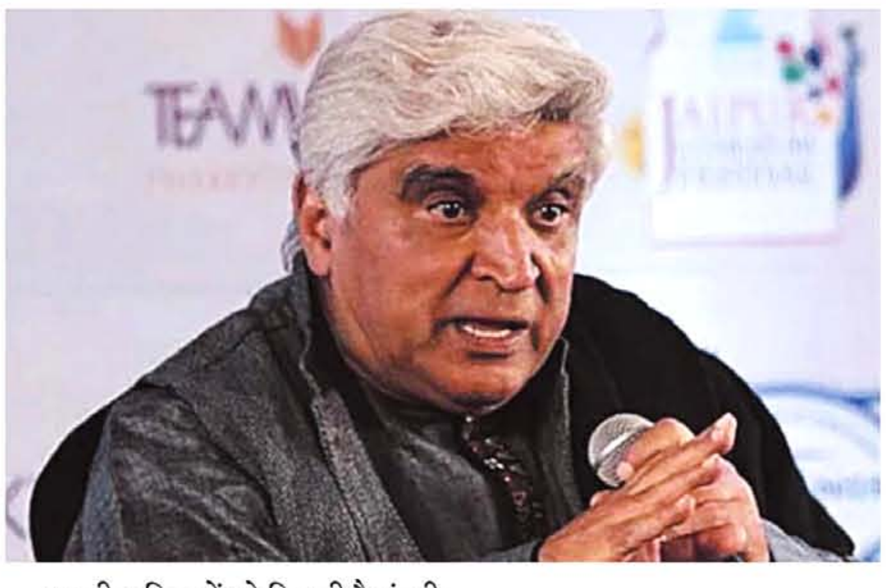

गीतकार जावेद अख्तर ने फिल्मों की सेंसरशिप पर अपनी राय रखी है। उन्होंने दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी बात की है। आइए जानते हैं उनके विचार। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों की सेंसरशिप पर बात रखी है। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई है कि समाज की वास्तविकता को दर्शाने वाली फिल्मों को भारत में सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है, जबकि अश्लीलता से भरपूर फिल्मों को मंजूरी मिल जाती है।

अश्लील फिल्मों को मिलती है मंजूरी

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती।

फिल्में समाज की खिड़की हैं

जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेंगी।

नोएडा में बिल्डर का बड़ा कारनामा

26 मंजिल की मंजूरी लेकर बनाई 29 मंजिला इमारत

नोएडा (चेतना मंच)। बिल्डरों की मनमानी और खरीदारों के साथ गड़बड़ियों के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नोएडा सेक्टर-90 स्थित अल्फाथंब परियोजना में बिल्डर पर गंभीर आरोप लगे हैं। आवंटियों का कहना है कि बिल्डर ने 26 मंजिला इमारत की मंजूरी लेकर 29 मंजिला इमारत बना दी। यही नहीं, खरीदारों को लोअर और अपर ग्राउंड फ्लोर की प्रॉपर्टी दिखाकर कब्जा अन्य मंजिलों पर दिया गया।

खास बात यह है कि नोएडा प्राधिकरण की ओर से परियोजना को ओसी-सीसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट और कंप्लीशन सर्टिफिकेट) जारी कर दिया गया है, जिसके बाद बिल्डर को रजिस्ट्री की भी अनुमति मिल गई। जबकि बीते दिनों बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े की धाराओं में सेक्टर-142 थाना क्षेत्र में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2014 में नोएडा प्राधिकरण ने सीबीएस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट लिमिटेड को सेक्टर-90 में आईटी-आईटीईएस (इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड सर्विस) श्रेणी का भूखंड संख्या-1 आवंटित किया था। उस समय प्राधिकरण ने यहां 23 मंजिल की इमारत निर्माण की अनुमति दी थी।

वर्ष 2017 में परियोजना में एक को-डेवलपर की एंट्री हुई। इसके बाद संशोधित नक्शा जमा कराकर 26 मंजिल तक निर्माण की मंजूरी ली गई। आरोप है कि बिल्डर ने इस मंजूरी को दरकिनार करते हुए 29 मंजिल की इमारत खड़ी कर दी।

परियोजना में की गई इन अनियमितताओं को लेकर खरीदारों ने कई बार प्राधिकरण से शिकायत की, जिस पर विभाग ने नक्शे और निर्माण से संबंधित दस्तावेज मांगे। बावजूद इसके, प्राधिकरण की ओर से बाद में ओसी-सीसी जारी कर रजिस्ट्री की मंजूरी दे दी गई।

खरीदार सुम्बुल सिद्दीकी ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2014 में प्रॉपर्टी बुक की थी। बुकिंग के समय बिल्डर ने नक्शे में अपर ग्राउंड फ्लोर को ग्राउंड फ्लोर बताया था। अब कब्जे के समय उसी फ्लोर को अपर ग्राउंड बताकर बिना रजिस्ट्री और स्टांप ड्यूटी जमा किए कब्जा देने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वे गलत मंजिल पर कब्जा लेने को तैयार नहीं हैं और इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण को शिकायत दी गई है। खरीदारों का कहना है कि प्राधिकरण और बिल्डर के बीच मिलीभगत से परियोजना में भारी अनियमितताएं की जा रही हैं।

आर्मी इंस्टीटयूट ऑफ लॉ मोहाली बना मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025 का विजेता

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी लॉ स्कूल द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय 15वें एमिटी इंटरनेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025 का समापन हो गया। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह में नेपाल के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नाहाकुल सुबेदी, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सी हरिशंकर, एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनोज कुमार ओहरी, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तुषार राव गेडेला, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डा डी के बंद्योपाध्याय और एमिटी लॉ स्कूल की निदेशक डा शेफाली रायजादा द्वारा विजेता टीमों और प्रतिभागीयों को पुरस्कृत किया गया।

इस 15वें एमिटी इंटरनेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025 में प्रतियोगिता में आर्मी इंस्टीटयूट ऑफ लॉ मोहाली की टीम को विजेता और गवर्नमेंट लॉ कॉलेज मदुरई को उपविजेता की ट्राफी प्रदान की गई। चंडीगढ़ लॉ कॉलेज मोहाली की सुश्री सान्या कुमार को बेस्ट रिसर्चर अवार्ड, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय की टीम को बेस्ट मेमोरियल (प्रासीक्यूटर) अवार्ड और महाराष्ट नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नागपुर की टीम को बेस्ट मेमोरियल (डिफेंडर) अवार्ड प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त चंडीगढ़ लॉ कॉलेज मोहाली की सुश्री संगीता ठाकुर को बेस्ट स्पीकर (प्रासीक्यूटर) का अवार्ड एनएएलएसएआर हैदराबाद के मनीवर सिंह और पुरजीत मीना को और बेस्ट स्पीकर (डिफेंडर) का अवार्ड प्रदान किया गया। विदित हो कि 9 से 11 अक्टूबर 2025 तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में देश से कुल 26 संस्थानो, विश्वविद्यालयों जैसे नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ऑफ इंडिया बैगलोर, चंडीगढ़ लॉ कॉलेज, नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च हैदराबाद, डा राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी लखनउ आदि से हिस्सा लिया।

समापन समारोह में नेपाल के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नाहाकुल सुबेदी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में एमिटी एक अग्रणी संस्थान है और एमिटी लॉ स्कूल द्वारा प्रदान किया गया यह मंच ना केवल आपके कानूनी शिक्षा में सहायक होगा बल्कि आपकों भविष्य के व्यवसायिक रूप में तैयार होने में सहायता प्रदान करेगा। मूट कोर्ट आपको सिद्धांत से व्यावहारिकता के लिए तैयार करता है जो आपके विचार कौशल, समस्या समाधान जैसे गुणों को विकसित करता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सी हरिशंकर ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कानून शब्द की बजाय न्याय शब्द है इसलिए आपको उस कमजोर वर्ग के लिए न्याय दिलवाने के लिए कार्य करना चाहिए। कानून वह वाहन है जिससे न्याय तक पहुंचा जाता है इसलिए आपका उददेश्य सदैव न्याय का प्रस्तुत करने का होना चाहिए।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगीता छात्रों को सार्वजनिक रूप से बोलने और आत्मविश्वास से अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करती है, शोध, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच कौशल को बेहतर बनाने में मदद करती है और छात्रों को न्यायालयीन अनुशासन और पेशेवर नैतिकता से परिचित कराती है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनोज कुमार ओहरी, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तुषार राव गेडेला ने भी अपने विचार रखे।

घर से नशेड़ियों को बेच रहे थे कफ सिरप

नोएडा(चेतना मंच)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने शनिवार को नॉरकोटिक्स ग्रुप के कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी। कृष्णानगर में वीआईपी रोड पर स्थित घर पर छापे में कफ सिरप बरामद हुए। इन्हें घर से नशेड़ियों को बेचा जा रहा था। टीम ने एक आरोपी को पुलिस के हवाले करके कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

एफएसडीए के सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि स्नेह नगर शिव शांति आश्रम के पास दीपक मानवानी के आवास से कफ सिरप बेचने का अवैध कारोबार चल रहा है। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर संदेश मौर्या ने पुलिस के साथ घर पर छापा मारा।

आरोपी दीपक मानवानी व अन्य लोगों ने जांच से रोकने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उनकी एक न सुनी। घर से नारकोटिक्स ग्रुप के कोडिन कफ सिरप बरामद हुए।

पूछताछ में दीपक मानवानी ने बताया कि उसके पास कफ सिरप खरीदने व बेचने से संबंधी कोई बिल नहीं है। वह दवा बिक्री का लाइसेंस भी नहीं दिखा सका। आरोपी ने बताया कि ये दवाएं अमीनाबाद के न्यू मंगलम मेडिकल एजेंसी के सूरज कुमार मिश्र व मोंटी सरदार से अवैध रूप से खरीदकर नशेड़ियों को बेची जाती हैं। सूरज और मोंटी भी इस कारोबार के हिस्सेदार हैं। इस कारोबार में कुछ अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य दो आरोपियों की तलाश में जुटी है।

ड्रग इंस्पेक्टर संदेश मौर्या ने बताया तीन कफ सिरप प्रतिबंधित हैं। इसमें कोल्डिफ, रेस्पिफ्रेशटीआर व रिलाइफ कफ सिरप के उत्पादन व ब्रिकी पर रोक है। ये कफ सिरप स्वास्थ्य के लिए घातक हैं। इसे लेकर बीते दिनों केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित करते हुए तीनों कफ सिरप को बाजार से वापसी व उत्पादन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है।

दीपक ने बताया कि कमाई हम तीनों में बराबर बांटी जाती है। सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने बताया कि मौके से तीन प्रकार के कफ सिरप बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब तीन लाख रुपये है। तीन नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है।

एफएसडीए के सहायक मंडल आयुक्त ब्रजेश ने बताया नशे के लिए इस कफ सिरप का प्रयोग अधिक होता है। एक बोतल से करीब छह से सात घंटे तक का नशा रहता था। शराब के मुकाबले कफ सिरप का नशा सस्ता पड़ता है। इस नशे में किसी तरह की बदबू भी नहीं आती है इसलिए कई युवा इसका सेवन करते हैं।

इफको चेयरमैन का कर्मचारी संघ ने किया स्वागत

प्रयागराज (ब्यूरो)। इफको के चेयरमैन दिलीप संघाणी का इफको सदन, नई दिल्ली में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर का आयोजन इफको कर्मचारी संघ एवं इफको अधिकारी एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय इफको कर्मचारी संघ के चेयरमैन बृजेश कुमार तथा अखिल भारतीय इफको अधिकारी एसोसिएशन के चेयरमैन गौरव कुमार ने प्रबन्ध निदेशक के जे पटेल के मार्गदर्शन में अग्रणी भूमिका निभाई।

इस अवसर पर इफको फूलपुर में कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पांडेय, महामंत्री विजय कुमार यादव, तथा इफको फूलपुर अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी और महामंत्री स्वयम् प्रकाश ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने दिलीप संघाणी को सच्चे सहकारी पुरुष के रूप में संबोधित करते हुए उनके प्रेरणादायक नेतृत्व और सहकारिता के प्रति समर्पण की सराहना की।

दिलीप संघाणी का इफको एवं सहकारिता आंदोलन के प्रति योगदान अद्वितीय है। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और आजीवन सेवा से 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र को साकार रूप दिया है।

पूरा इफको परिवार उनके नेतृत्व पर गर्व करता है और उनके मार्गदर्शन में सहकारिता की भावना को और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दादरी के विकास पुरुष हैं तेजपाल नागर : रवि पंडित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता रवि पंडित ने आज दादरी के भाजपा विधायक तेजपाल नगर के जन्मदिन पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि तेजपाल नगर ने दादरी का जितना विकास किया है, वह स्वागत एवं धन्यवाद के योग्य है। उन्होंने कहा कि विधायक तेजपाल सिंह नगर एक ऐसे सरल व्यक्ति हैं जो सभी से बिना किसी कठिनाई के हमेशा मिलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब से तेजपाल सिंह नगर दादरी विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, तभी से विधानसभा का तेजी से विकास हुआ है। चाहे वह गांव हो या सेक्टर, सभी में विकास की गति तेज हो गई है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का आह्वान किया कि आज वे विधायक तेजपाल सिंह नगर का जन्मदिन हर्षोल्लास एवं विकास को लेकर मनाएं। उन्होंने कहा कि तेजपाल सिंह नगर एक ऐसे विकास पुरुष हैं, जिनकी जितनी सराहना एवं प्रशंसा की जाए, वह कम है।

बिलासपुर में खुलेगा ड्राइविंग टेस्टिंग सेंटर

नोएडा। बिलासपुर में जल्द ही नया एडीटीसी (ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग सेंटर) खुलने जा रहा है। यूपी परिवहन विभाग की ओर से इसकी मान्यता मिल चुकी है। निजी कंपनी इस सेंटर का संचालन करेंगी। सेंटर खुलने के बाद स्थानीय निवासियों समेत आसपास के क्षेत्र के हजारों लोगों को ड्राइविंग टेस्ट के लिए लंबी दूरी नहीं करनी पडेगी। जेवर में खुलने वाले सेंटर की पूरी प्रक्रिया होने के बाद कंपनी ने समर्पण कर दिया है। इसकी प्रक्रिया फिर से शुरू होगी।

गौतमबुद्धनगर में दो एडीटीसी सेंटर दादरी तहसील क्षेत्र में संचालित हो रहे हैं। यह रोड बिसाहड़ा सेंटर महिउद्दीनपुर दादरी में हैं। नोएडा समेत ग्रेटर नोएडा वेस्ट और अन्य क्षेत्र के लोगों को ड्राइविंग टेस्ट के लिए लंबी दूरी तय कर जाना पड़ता है। बिलासपुर क्षेत्र के लोगों को भी इसी तरह लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इस समस्या से हजारों की आबादी को बिलासपुर में सेंटर खुलने से राहत मिलेगी।

जेवर में खुलने वाले एडीटीसी सेंटर की पूरी प्रकिया होने के बाद संचालन की जिम्मेदारी लेने वाली कंपनी ने समर्पण कर दिया है। यह सेंटर शुरू नहीं हो सका है। नए सिरे से इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बिलासपुर में खुलने वाला एडीटीसी सेंटर आधुनिक तकनीक से लैस होगा। यहां पर

दोपहिया, चार पहिया और भारी वाहनों के लिए अलग-अलग ट्रैक बनाए जा रहे हैं। सेंसर बेस्ड कैमरा मानिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा। लाइसेंस के लिए टेस्ट देने वालों का इस माध्यम से सटीक मूल्यांकन किया जाएगा।

नोएडा में रहने वालों को ड्राइविंग टेस्ट देने के लिए 30 किमी दूर जाना पड़ता है। सेक्टर-10 में एडीटीसी सेंटर खोलने के लिए निजी कंपनी की ओर से प्रस्ताव भेजा गया था। विभाग की ओर से अनियमितताओं के चलते प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में रहने वाली लाखों की आबादी को अपने क्षेत्र में एडीटीसी सेंटर की दरकार है।

तलाक न देने पर प्रेमी के साथ मिलकर कर दी पति की हत्या

साहिबाबाद। लिंकरोड थाना क्षेत्र के साहिबाबाद गांव निवासी योगेश हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए पत्नी व उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने भाड़े के हत्यारों को एक लाख रुपये की सुपारी देकर हत्याकांड को अंजाम दिलाया था।

मामले में अभी हत्याकांड को अंजाम देने वाले दोनों आरोपित फरार हैं। योगेश का शव चार दिन पहले पिलखुआ में सड़ी-गली हालत में मिला था। जांच में पता चला है कि पत्नी पूजा व उसके प्रेमी आशीष ने चंद्रपाल को एक लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। चंद्रपाल ने अपने साथी प्रवीण के साथ पेपर कटर से वारकर योगेश की हत्या की थी और शव को झाड़ियों में छुपा दिया था।

पूजा योगेश से तलाक चाहती थी, लेकिन योगेश तलाक नहीं दे रहा था। आशीष से पहले भी पूजा के एक अन्य

व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध रह चुके हैं। कई माह तक पूजा आशीष के साथ पिलखुआ में एक किराये के मकान में लिव-इन में रही थी। बाद में वह अपने घर आ गई थी।

आरोपित अब से दो बार पहले भी हत्या का प्रयास कर चुके थे, लेकिन इसमें कामयाबी नहीं मिली थी, लेकिन 24 सितंबर को आरोपितों ने योगेश को पिलखुआ बुलाया और यहां जंगल में ले जाकर हत्याकांड को अंजाम दिया।

परिवार व पुलिस को भटकाने के लिए हत्या के बाद पूजा ने लिंकरोड थाने में पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले में पत्नी पूजा व उसके प्रेमी आशीष को गिरफ्तार किया है। जबकि चंद्रपाल और प्रवीण अभी फरार हैं।

बाइक टकराने पर भिड़े दो पक्ष, जमकर चले हेलमेट

नोएडा। सेक्टर-107 में ग्रेट वैल्यू शरणम सोसायटी के पास बाइक टकराने पर बाइक सवार दो पक्ष आपा खो बैठे। देखते ही देखते बात इतनी बिगड़ गई कि मारपीट की नौबत आ गई। दो पक्ष आपस में भिड़ गए और जमकर हेलमेट चले।

वायरल 26 सेकंड के वीडियो में एक पक्ष कह रहा है कि सही कर दूंगा एक मिनट में...। इतने में दूसरे पक्ष का हाथ गिरेबान तक पहुंचता है। इसी बीच दूसरे पक्ष का अन्य व्यक्ति दोनों को रोकने का प्रयास करता है, लेकिन बात बिगड़ती चली जाती है। दोनों पक्ष एक दूसरे को हेलमेट से पीटना शुरू कर देते हैं। सेक्टर 39 थाना पुलिस मामले का संज्ञान लेकर जांच कर रही है।